दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

नई दिल्ली। गुरुवार 09 अप्रैल -2026 | वर्ष : 11 अंक : 106 पेज-08 | RNI NO. DELHIN/2015/65364 | मूल्य : ₹3

'ट्रिगर पर है हमारी उंगली', दुश्मन ने गलती की तो मिलेगा करारा जवाब- ईरान की चेतावनी

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच दो हफ्ते के युद्धविराम पर सहमति बन गई है। इस बीच ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने देश की सभी सैन्य इकाइयों को तुरंत फायरिंग रोकने का आदेश दिया है। राज्य संचालित प्रसारक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग पर जारी बयान में खामेनेई ने कहा कि यह युद्ध का अंत नहीं है, लेकिन सभी सैन्य शाखाओं को सर्वोच्च नेता के आदेश का पालन करते हुए फायरिंग बंद करनी चाहिए। युद्धविराम के बावजूद ईरान ने सख्त लहजे में चेतावनी दी है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने कहा कि यह कदम युद्ध खत्म होने का संकेत नहीं है और अगर अमेरिका या इस्राइल की ओर से कोई भी छोटी सी गलती होती है तो उसका जवाब पूरी ताकत से दिया जाएगा। बयान में कहा गया कि हमारी उंगलियां ट्रिगर पर हैं और दुश्मन की किसी भी गलती का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल द्वारा किए गए संयुक्त हमले के बाद शुरू हुए इस संघर्ष में अब तक कई देशों में बड़ी संख्या में लोगों की जान जा चुकी है। ईरान ने अपने नागरिकों के बलिदान के लिए धन्यवाद देते हुए दावा किया कि युद्ध के अधिकांश लक्ष्य हासिल कर लिए गए हैं और दुश्मन को ऐतिहासिक हार का सामना करना पड़ा है।

जन शिकायतों के निस्तारण में पुलिस कमिश्नरेट अव्वल
गाजियाबाद के 25 थानों को मिला प्रथम स्थान
टॉप थ्री में रहे घंटाघर कोतवाली, लोनी और मसूरी थाना

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जन शिकायतों के प्रभावी, त्वरित और निष्पक्ष निस्तारण में गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट ने मार्च माह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नई मिसाल कायम की है। आइजीआरएस पोर्टल पर जारी रैंकिंग में पुलिस कमिश्नरेट के 25 थानों को 100 में 100 अंक प्राप्त हुए हैं, जिसके चलते सभी को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान दिया गया है। यह उपलब्धि शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण, पारदर्शिता और शिकायतकताओं से बेहतर संवाद का परिणाम मानी जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस द्वारा प्रत्येक शिकायत पर तत्काल संज्ञान लेते हुए उसकी निष्पक्ष जांच कराई गई। साथ ही शिकायतकर्ता से लगातार संवाद बनाए रखते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर निस्तारण सुनिश्चित किया गया। यही कारण रहा कि इस बार एक भी थाना डिफाल्टर की श्रेणी में नहीं आया, जो कमिश्नरेट की कार्यशैली को दशार्ता है। पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड ने इस उपलब्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा जन शिकायतों का समयबद्ध और निष्पक्ष निस्तारण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मार्च माह में सभी थानों द्वारा किया गया कार्य सराहनीय है। मैं सभी थाना प्रभारियों और उनकी टीम को बधाई देता हूं। आगे भी इसी तरह पारदर्शिता, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करते हुए आमजन का विश्वास बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि भविष्य में भी शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हर स्तर पर मॉनिटरिंग को और सख्त किया जाएगा। इस प्रदर्शन से साफ है कि गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट जनसुनवाई और शिकायत निस्तारण के मामले में प्रदेश में अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए है।

टॉप पर रहे ये थाने

करंट क्राइम : मार्च माह की रैंकिंग में घंटाघर कोतवाली, लोनी और मसूरी थाना प्रमुख रूप से टॉप पर रहे। इसके अलावा सिटी जोन और ग्रामीण जोन के कई थानों ने भी टॉप-10 में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। लगातार बेहतर प्रदर्शन करने वाले इन थानों को विभागीय स्तर पर सराहना मिल रही है।

निचले पायदान पर भी बेहतर प्रयास

करंट क्राइम : वहीं लोनी बॉर्डर थाना और महिला थाना सूची में निचले स्थानों पर रहे, हालांकि इन थानों को भी 100 में 100 अंक मिले हैं। अधिकारियों का मानना है कि रैंकिंग का अंतर केवल प्रक्रियात्मक बिंदुओं पर आधारित है, न कि कार्य की गुणवत्ता पर।

नेगेटिविटी चेक सर्वे में पॉजिटिव मिले हैं तीन विधायक!
एक विधायक ऐसे जिनकी रिपोर्ट ना प्लस में है ना माईनस में

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीतिक दल अब चुनाव से पहले कोई रिस्क नही लेना चाहते। वो चुनाव से पहले अपने विधायकों की ग्राउन्ड रिपॉर्ट निजी एजेन्सियों से तैयार करा रहे हैं। इस रिपोर्ट में जांचा जा रहाहै कि एक विधायक के रूप में विधायक का व्यवहार क्षेत्र के लोगों से कैसा रहा है। पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ उनका संवाद कैसा है। क्षेत्र की समस्याओं को लेकर वो कितना एक्टिव रहे हैं। और लोग अपने विधायक की कार्यशैली से कितना खुश हैं। सर्वे में कई बिंदु हैं और हर बिंदु पर कार्यकर्ता से लेकर जनता की राय ली गयी है और उसक औसत निकाला गया है। बताया जाता है कि सर्वे की रिपोर्ट में मुख्य रूप से व्यवहार , जनछवि और विकास कार्यों की पूरी डिटेल ली गयी है।

सूत्र बताते हैं कि नेगेटिविटि जांचने वाली इस रिपोर्ट में तीन विधायक ऐसे हैं जो पूरी तरह पॉजिटिव पाये गये हैं। विधायकों की रिपोर्ट में खोट नहीं मिला है। लेकिन सूत्र बताते हैं कि एक विधायक ऐसे भी हैं जिनकी सर्वे रिपोर्ट ना उन्हें प्लस कर रही है और ना माईनस कर रही है। बताया जाता है कि सर्वे रिपोर्ट में दो विधायक जनसुनवाई में नम्बर वन मिले हैं। इन विधायकों की रिपोर्ट में ये भी पाया गया है कि वो जनता की समस्याओं को सुन रहे हैं, समाधान करा रहे हैं और कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर संवाद कायम कर रहे हैं। एक विधायक ऐसे भी हैं जिनकी रिपोर्ट तटस्थ है। बहरहाल इस रिपोर्ट को लेकर भाजपा में चर्चा है।

युवा मन की उलझनें बन रहीं जानलेवा
हाल की घटनाओं ने खड़े किए गंभीर सवाल, युवा पीढ़ी का समझना होगा मनोविज्ञान

गाजियाबाद, करंट क्राइम। आधुनिकता, प्रतिस्पर्धा और डिजिटल दौर की चमक के बीच युवा पीढ़ी का मानसिक संतुलन एक बड़े संकट की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। गाजियाबाद में हाल ही में सामने आई कई घटनाओं ने यह संकेत दे दिया है कि अब यह सिर्फ पारिवारिक या व्यक्तिगत मामला नहीं, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक आपात स्थिति बनती जा रही है। जिस तरह से टीलामोड़ थानाक्षेत्र में तीन सगी बहनों द्वारा सामूहिक आत्महत्या की घटना ने पूरे जिले को झकझोर दिया था। इस मामले में जहां कुछ लोगों ने ऑनलाइन गेम्स और डिजिटल प्रभाव को जिम्मेदार ठहराया, वहीं कई विशेषज्ञों ने इसे पारिवारिक दबाव, संवाद की कमी और मानसिक तनाव से जोड़कर देखा। पुलिस जांच में मामला आत्महत्या का ही सामने आया, लेकिन असली वजह आज भी धुंध में है। इसके कुछ महीनों बाद नंदग्राम से चार सगी बहनों का घर छोड़कर अमृतसर पहुंच जाना एक और चौंकाने वाला घटनाक्रम रहा। पुलिस ने तकनीकी साधनों, क्यूआर कोड और डिजिटल ट्रैकिंगकी मदद से उन्हें सकुशल बरामद किया। शुरूआती जांच में सामने आया कि वे परिजनों की डांट-फटकार और मानसिक दबाव को सहन नहीं कर पा रही थीं। यह घटना इस बात का संकेत है कि छोटी दिखने वाली पारिवारिक बातें भी किशोर मन पर कितना गहरा असर डाल सकती हैं।

कम उम्र में ले रहे हैं बड़े फैसले

करंट क्राइम : इसी क्रम में इंदिरापुरम की 18 वर्षीय किशोरी द्वारा 16वीं मंजिल से कूदकर जान देने का मामला और भी गंभीर सवाल खड़े करता है। पुलिस भर्ती की तैयारी कर रही इस युवती के कदम ने सभी को हैरान कर दिया है। परिजन इसे हत्या बता रहे हैं, जबकि पुलिस आत्महत्या मानकर जांच कर रही है। सच क्या है, यह जांच का विषय है, लेकिन यह घटना युवा मन की जटिलता को जरूर उजागर करती है। इसके अलावा मसूरी और नंदग्राम थाना क्षेत्रों में भी छात्रों द्वारा आत्महत्या की घटनाएं सामने आई हैं, जिनकी वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस की जांच कई बार तकनीकी और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों तक सीमित रह जाती है, जबकि असली कारण—यानी मानसिक स्थिति—अक्सर अनकही रह जाती है।

पुलिस और मनोवैज्ञानिक भी उलझन में

करंट क्राइम : डीसीपी सिटी धवल जायसवाल का कहना है,हर मामले में पुलिस गहराई से जांच करती है, लेकिन कई बार परिस्थितियां और साक्ष्य इतने उलझे होते हैं कि स्पष्ट कारण तक पहुंचना संभव नहीं हो पाता। वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि आज का युवा सोशल मीडिया की आभासी दुनिया, करियर की दौड़, पारिवारिक अपेक्षाओं और व्यक्तिगत असुरक्षाओं के बीच फंसता जा रहा है। तुलना, असफलता का डर और संवादहीनता उन्हें अंदर ही अंदर तोड़ रही है। कई बार वे अपनी परेशानी साझा ही नहीं कर पाते और अचानक कठोर कदम उठा लेते हैं।

समाज और परिवार की जिम्मेदारी पर उठे सवाल

करंट क्राइम : इन घटनाओं ने साफ कर दिया है कि अब सिर्फ पुलिस या कानून से समाधान संभव नहीं है। परिवारों को बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना होगा, उनकी भावनाओं को समझना होगा और उन्हें खुलकर अपनी बात रखने का माहौल देना होगा। स्कूल-कॉलेजों में काउंसलिंग सिस्टम को मजबूत करना और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना समय की मांग बन चुका है। गाजियाबाद जैसे तेजी से विकसित हो रहे शहर में जिस तरह किशोर और युवा आत्महत्या या घर छोड़ने जैसे कदम उठा रहे हैं, वह आने वाले समय के लिए गंभीर संकेत है। सवाल यही है—क्या हम समय रहते युवा मन को समझ पाएंगे, या ऐसी घटनाएं यूं ही समाज को झकझोरती रहेंगी?

अखिलेश यादव ने दे दिया है सभी जिलाध्यक्षों को ये स्पष्ट निर्देश
शिकायत करने से बेहतर है सुझाव के रूप में दिया जाये संदेश

गाजियाबाद, करंट क्राइम। समाजवादी पार्टी पूरी तरह से विपक्ष वाले तेवरों के साथ अब मैदान में है। चुनावी तैयारियों की बात करें तो समाजवादी दादरी रैली से मुनादी कर चुके हैं। चुनावी रण है लिहाजा एक एक बिंदू पर स्वयं पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव फोकस कर रहे हैं। वो जानते हैं कि चुनाव का बिगुल बजा है तो फिर सामने वाला दल भी सपा की कमजोरियों को तलाशेगा। पार्टी के भीतर अनुशासन , एकता और ताकत का संदेश बाहर जाये इसके लिए जरूरी है कि सबसे पहले समाजवादी आपस में समन्वय बनायें। आम तौर पर ये होता है कि जब किसी भी राजनीतिक दल के लोग आपस में उलझ जाते हैं तो फिर वो एक दूसरे की शिकायत करते हैं। एक दूसरे के चरित्र पर लांछन लगाते हैं और इसका नतीजा ये होता है कि पार्टी की फजीहत खुद कार्यकर्ताओं के हाथों हो जाती है। आजकल वैसे भी सोशल मीडिया का जमाना है और इसका सबसे बड़ा फसाना ये है कि कोई भी वहां आकर कुछ भी लिख देता है और फिर उस पर पार्टी के कार्यकर्ता ही आपस में उलझ जाते हैं। इस स्थिति का मजा दूसरे दल के लोग लेते हैं। सोशल मीडिया की जंग का रंग कई बार राजनीतिक नुकसान करा देता है। समाजवादी पार्टी के दो युवा नेता ही इस सोशल मीडिया की बयानबाजी के कारण आहत हुए। सपा के ये दोनों युवा नेता बेहद ऊर्जावान और विपक्षी केन्द्रों के साथ काम करने वाले नेता थे। पटी के प्रति भी समर्पण था लेकिन केवल अपने पेशन और अग्रेशन को कन्ट्रोल नहीं कर सके। सोशल मीडिया पर जमकर लिखा और फिर उसका राजनीतिक खामियाजा भी उठाना पड़ गया। अब ऐसे मामलों की पुनर्रावृति ना हो और कार्यकर्ता जोश के साथ होश रखें। अगर किसी बात को लेकर नाराज भी हैं तो कम से कम उसे पब्लिक प्लेटफॉर्म पर ना लायें।

चुनावी रण शुरू होने से पहले समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ वाली बैठक में इस बात को लेकर स्पष्ट निर्देश दिये। अखिलेश यादव पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और वो चुनावी रणनीति के जबरदस्त जानकार हैं। वो जानते हैं कि चुनाव के समय अगर कार्यकर्ता या नेता एक दूसरे की शिकायत करते हैं तो इससे पूरा समीकरण ही डगमगा जाता है। जब समाजवादियों को एक होकर चुनावी जंग लड़नी है तो यहां पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने नो बुराई वाला संदेश दे दिया है।

सूत्र बताते हैं कि लखनऊ वाली मीटिंग में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने स्पष्ट कर दिया कि अगर किसी को भी किसी व्यक्ति से पार्टी में समस्या है या किसी अन्य बात से कोई दिक्कत है तो उसे शिकायत के रूप में ना लाया जाये। सूत्र बताते हैं कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ वाली बैठक में सभी जिलों के जिला और महानगर अध्यक्षों को इस बात के स्पष्ट निर्देश दिये हैं। सबको बता दिया गया है कि शिकायत को सुझाव के रूप में रखा जायेगा। अगर किसी व्यक्ति से शिकायत है तो उसकी बुराई नहीं करनी है, केवल यह सुझाव देना है कि इस व्यक्ति के स्थान पर उस व्यक्ति का होना ठीक रहेगा।

शिकायत को सुझाव के रूप में दिया जाये। अध्यक्षों को बता दिया गया है कि प्रत्यक्ष रूप से किसी की भी आलोचना नहीं करनी है। इसके स्थान पर सुझाव देना है और शिकायतों से परहेज करना है। राष्ट्रीय अध्यक्ष का विजन इसके पीछे ये भी हो सकता है कि जब अध्यक्ष स्तर पर किसी की बुराई नहीं होगी तो पार्टी के भीतर भी मोर्चा कम खुलेगा।

सुझाव दिया जायेगा तो दूसरे पक्ष को भी बुरा कम लगेगा। विजन यही है कि चुनावी रण के समय समाजवादियों के यहां इंटरनल जंग पर पूरी तरह से विराम लगा दिया जायेगा। प्रत्येक समाजवादी चुनावी योद्धा के रूप में मैदान में आयेगा। सोशल मीडिया पर अनुशासन रहना चाहिए। नो बुराई वाले सिद्धांत की शुरूआत पार्टी के जिला और महानगर अध्यक्षों से हुई है। उन्हे बता दियागया है कि अब किसी के बुराई के लैटर ना लिखें और संगठन को चलाये। अपने सुझावों से शीर्ष नेतृत्व को अवगत करायें।

शिकायतें हो रही हैं डटकर, साहब हमारे पति का चल रहा है कहीं पर चक्कर!
पिंक बूथ, मिशन शक्ति केंद्र और वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंच रहे हैं पति-पत्नी और वो के मामले

सामाजिक ताना-बाना

"सोशल मीडिया बना रिश्तों में दरार की वजह, पति का कहीं चक्कर की शिकायतों से पुलिस भी है हैरान

गौरव शशि नारायण

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद में इन दिनों पति-पत्नी के विवादों का एक नया ट्रेंड तेजी से सामने आ रहा है। पति का कहीं चक्कर चल रहा है, जैसी शिकायतें अब सीधे पुलिस कमिश्नरेट, मिशन शक्ति केंद्र और पिंक बूथ तक पहुंच रही हैं। खास बात यह है कि इन मामलों में सोशल मीडिया और मोबाइल चैटिंग बड़ी वजह बनकर उभर रही है। पुलिस के विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, पुलिस कमिश्नर से लेकर डीसीपी और एसीपी स्तर के अधिकारियों तक ऐसे मामले लगातार पहुंच रहे हैं, जिनमें अधिकतर शिकायतें महिलाओं की ओर से की जा रही हैं। महिलाएं अपने पति पर सोशल मीडिया के जरिए किसी अन्य महिला से संबंध होने का आरोप लगा रही हैं। कई मामलों में तो शिकायत के साथ स्क्रीनशॉट, चैटिंग रिकॉर्ड और फोटो तक पुलिस को सौंपे जा रहे हैं, जिससे अधिकारी भी चौंक जा रहे हैं।

मामला 1: इंस्टाग्राम चैट ने खोला राज

करंट क्राइम : ट्रांस हिंडन क्षेत्र की एक हाईराइज सोसाइटी में रहने वाली निजी कंपनी की इंजीनियर महिला को अपने पति के व्यवहार में बदलाव महसूस हुआ। शक होने पर उसने पति का सोशल मीडिया अकाउंट दूसरे नंबर से लॉगिन किया। जैसे ही इंस्टाग्राम चैट खुली, महिला हैरान रह गई। उसमें पति की दिल्ली की एक शादीशुदा महिला से बातचीत, मुलाकात और फोटो सामने आए। महिला ने यह सबूत पुलिस को सौंपते हुए शिकायत दर्ज कराई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मामला 2: व्हाट्सएप कॉल और डिलीट चैट का खेल

करंट क्राइम : सिटी जोन के एक प्रमुख थानाक्षेत्र की हाईराइज बिल्डिंग में रहने वाली एक स्कूल टीचर ने अपने पति पर बैंक की एक महिला कर्मचारी से संबंध होने का आरोप लगाया है। पीड़ित महिला का कहना है कि उसका पति घंटों व्हाट्सएप पर वीडियो और वॉइस कॉल करता है और चैट को डिलीट एवरीवन कर देता है। शक गहराने पर महिला ने मिशन शक्ति केंद्र में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने दोनों को तलब कर जांच शुरू कर दी है।

अधिकारियों तक पहुंच रहे गंभीर केस

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में अब ऐसे पति-पत्नी और वो के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। चाहे कमिश्नर कार्यालय हो या जोन स्तर के अधिकारी हर जगह इस तरह की शिकायतें पहुंच रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि इन मामलों में पारिवारिक काउंसलिंग के साथ-साथ डिजिटल सबूतों की भी जांच की जा रही है।

आंकड़े भी दे रहे संकेत

ट्रांस हिंडन जोन 6 महीने में 68 मामले, सिटी जोन : 43 मामले, ग्रामीण जोन : 38 मामले। कुल मिलाकर कहा जाए तो सोशल मीडिया जहां लोगों को जोड़ रहा है, वहीं यह रिश्तों में शक और विवाद की बड़ी वजह भी बनता जा रहा है। गाजियाबाद में बढ़ती ये शिकायतें इस बात का संकेत हैं कि डिजिटल दुनिया का असर अब सीधे वैवाहिक जीवन पर पड़ रहा है। पुलिस के सामने चुनौती सिर्फ कानूनी नहीं, बल्कि रिश्तों को संभालने की भी बनती जा रही है।

तालकटोरा अधिवेशन पर मंथन : ओमप्रकाश राजभर और डॉ. राम अवतार जिंदल की रणनीतिक बैठक

लखनऊ, करंट क्राइम। आगामी 2 जून को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में प्रस्तावित राष्ट्रीय अधिवेशन को लेकर ओमप्रकाश राजभर और व्यापार प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राम अवतार जिंदल के बीच राजधानी लखनऊ स्थित गौतम पल्ली में महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक हुई।

यह बैठक संगठन की आगामी दिशा तय करने के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही है। बैठक के दौरान अधिवेशन को भव्य, विशाल और ऐतिहासिक स्वरूप देने पर विस्तार से चर्चा हुई। डॉ. राम अवतार जिंदल ने व्यापार प्रकोष्ठ की ओर से व्यापक जनसंपर्क अभियान, व्यापारी वर्ग की भागीदारी और संगठनात्मक मजबूती को लेकर अपना स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत किया। उनके इस विजन को मंत्री राजभर ने सराहा और आवश्यक मार्गदर्शन दिया।

इस अवसर पर अरविंद राजभर की मौजूदगी में संगठन विस्तार, कार्यकर्ताओं की भागीदारी और राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव बढ़ाने की रणनीति पर भी विचार-विमर्श हुआ।

डॉ. राम अवतार जिंदल ने तालकटोरा अधिवेशन को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत झोंकने का भरोसा दिलाया, वहीं मंत्री राजभर ने भी उनके प्रयासों को संगठन के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. जिंदल की सक्रियता और नेतृत्व इस बैठक में प्रमुख रूप से उभरकर सामने आई। उन्होंने अधिवेशन को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत झोंकने का भरोसा दिलाया, वहीं मंत्री राजभर ने भी उनके प्रयासों को संगठन के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। तालकटोरा का यह अधिवेशन अब संगठन की शक्ति प्रदर्शन का केंद्र बनने जा रहा है, जिसमें ओमप्रकाश राजभर के नेतृत्व और डॉ. राम अवतार जिंदल की सक्रिय भूमिका खास तौर पर देखने को मिलेगी।

बेमौसम बारिश-ओलावृष्टि से बदला मौसम अब मिलेगा राहत का दौर

बारिश और तूफान से प्रभावित हुआ जनजीवन, किसानों को राहत की उम्मीद

शुक्रवार से प्रदेश में मौसम होगा पूरी तरह शुष्क

लखनऊ। प्रदेश में चक्रवात और सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण अचानक मौसम बदला। बेमौसम वर्षा, ओलावृष्टि और तूफानी हालात देखे गए। तापमान 24 घंटे में छह डिग्री गिरा। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार से प्रदेश में शुष्क मौसम होगा, जिससे किसानों को राहत मिलेगी और तापमान सामान्य स्थिति में लौटेगा।

प्रदेश में जारी बेमौसम वर्षा, तड़ित झंझावत और ओलावृष्टि के दौर से बृहस्पतिवार से राहत मिलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार से पूरे प्रदेश में मौसम पूरी तरह शुष्क हो जाएगा। यह मौसमी बदलाव एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और निचले क्षोभमंडल में बने चक्रवाती परिसंचरण के कारण हो रहा था, जिसने पूरे प्रदेश को प्रभावित किया है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ मध्य एवं ऊपरी क्षोभमंडल में बना हुआ था। यह उत्तरी पाकिस्तान और संलग्न जम्मू-कश्मीर के आसपास एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में केंद्रित था।

एक और चक्रवाती परिसंचरण मौजूद

इसके अतिरिक्त, निचले क्षोभमंडल में प्रदेश के उत्तर-पश्चिमी भाग पर एक और चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है। यह परिसंचरण मणिपुर तक एक द्रोणी के रूप में फैला हुआ है, जिससे राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश और ओलावृष्टि हुई। बुधवार को प्रदेश के ऊपरी क्षोभमंडल से इन मौसमी प्रणालियों में प्रभावी कमी आने की संभावना है। इस कमी के बाद बृहस्पतिवार से मौसम में धीरे-धीरे सुधार शुरू हो जाएगा। शुक्रवार से मौसम पूर्णतया शुष्क होने की संभावना है, जिससे किसानों को बड़ी राहत मिलेगी।

तापमान में उतार-चढ़ाव का अनुमान

मौसम में सुधार के साथ ही प्रदेश के अधिकतम तापमान में भी महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिलेगा। आगामी चौबीस घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में छह से आठ डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जा सकती है। यह गिरावट हल्की ठंडक का अनुभव कराएगी। हालांकि, उसके बाद के दिनों में तापमान में आठ से दस डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की संभावना है। यह बढ़ोतरी मौसम को सामान्य स्थिति में लाएगी और गर्मी का अनुभव कराएगी।

मंगोलपुरी में सनसनी: पीजी के बेड बॉक्स से महिला का शव बरामद, तीन गिरफ्तार

यौन उत्पीड़न की आशंका, आरोपियों से पूछताछ जारी

पीजी मालिक की सूचना पर खुला राज, तीसरी मंजिल से मिला शव

नई दिल्ली। दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में हत्या की एक खौफनाक वारदात सामने आई है। जहां एक पीजी रूम में डबल बेड के बॉक्स में एक महिला का शव मिला है। पीजी मालिक ने पुलिस को सूचित किया था।

बाहरी दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में एक विवाहित महिला की हत्या करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, 35 वर्षीय महिला का शव ड्रापेंग गेस्टह (पीजी) के बेड के बॉक्स में से बरामद हुआ है और उस पर गला घोंटे जाने के निशान हैं। उनके अनुसार, सात अप्रैल को मंगोलपुरी थाने में सूचना दी गई कि पत्थर मार्केट स्थित एक इमारत के एक कमरे में एक महिला के बेहोश पड़े होने का संदेह है। पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और पाया कि इमारत की तीसरी मंजिल पर एक व्यक्ति पीजी का संचालन कर रहा है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, कमरे की तलाशी के दौरान, एक महिला का शव बेड के बॉक्स से बरामद किया गया। शव पर गला घोंटे जाने के स्पष्ट निशान थे और माथे पर चोट का निशान था।

घटनास्थल पर अपराध जांच दल और फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम को बुलाया गया और आगे की जांच के लिए साक्ष्य जब्त किए गए। मृतका की पहचान मंगोलपुरी निवासी के रूप में हुई। अधिकारी ने कहा, प्रारंभिक जांच में पता चला है कि उसके आरोपी दीपक के साथ प्रेम संबंध थे। पुलिस ने बताया कि सात अप्रैल को विवाहित महिला पीजी में आई थी और शाम करीब 4:30 बजे उसकी मुलाकात आरोपी दीपक से हुई, जो स्वयं भी शादीशुदा है। दोनों करीब एक घंटे तक एक कमरे में रहे। आरोपी के चले जाने के बाद पीजी मालिक को शक हुआ और उसने पुलिस को सूचना दी।

जांच के आधार पर, आठ अप्रैल को मंगोलपुरी थाने में भारतीय न्याय संहिता की हत्या सहित संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि इस मामले में बुधवार को मंगोलपुरी निवासी तीन आरोपियों - सुरेंद्र उर्फ बॉबी, जोगिंदर और दीपक (22) - को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने कहा कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि घटना के समय दो अन्य आरोपी सुरेंद्र और जोगिंदर भी पीजी में मौजूद थे, जिससे तीनों व्यक्तियों द्वारा महिला का कथित यौन उत्पीड़न किए जाने की भी आशंका है तथा इस दिशा में भी जांच की जा रही है।

मानव संपदा पोर्टल पर अनिवार्य अपडेट

कर्मचारियों की जांच जानकारी होगी ऑनलाइन दर्ज

प्रमुख सचिव ने जारी किया शासनादेश, सख्ती से पालन के निर्देश

लखनऊ। मानव संपदा पोर्टल के सभी ऑफिस एडमिन आईडी अपने रिपोर्टिंग में कार्यरत सभी कार्मिकों की जानकारी अपडेट करेंगे। जिन कार्मिकों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई या सतर्कता जांच चल रही है उनके मामलों में संबंधित कॉलम में हां लिखा जाए।

अब राज्य कर्मियों के खिलाफ चल रही जांच, विभागीय कार्रवाई और सतर्कता जांच संबंधी सूचना मानव संपदा पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज की जाएगी। इस संबंध में प्रमुख सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक एम. देवराज ने शासनादेश जारी कर दिया है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है।

शासनादेश में कहा गया है कि मानव संपदा पोर्टल के सभी ऑफिस एडमिन आईडी अपने रिपोर्टिंग में कार्यरत सभी कार्मिकों की जानकारी अपडेट करेंगे। जिन कार्मिकों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई या सतर्कता जांच चल रही है उनके मामलों में संबंधित कॉलम में हां लिखा जाए। साथ ही विभागीय कार्रवाई और सतर्कता जांच की जानकारी ऑनलाइन उसके सर्विस बुक में भी दर्ज करें। जिस कार्मिक के खिलाफ कोई जांच नहीं है उसके फार्म के आगे नहीं लिखा जाए।

जानकारी ऑनलाइन अपडेट करने के लिए विभागीय अधिकारियों को प्रारूप भी भेजा गया है। आदेश में कहा गया है कि एडमिन विभागीय कार्रवाई से संबंधित स्थिति यूजर लॉगिन विंडो में अपडेट करेंगे। प्रदेश के सभी रिपोर्टिंग कार्यालयों के नोडल ऑफिस एडमिन आईडी के माध्यम से मानव संपदा पोर्टल में लॉगिन करेंगे और इसके बाद ऐसे सभी कार्मिकों की स्थिति को दर्ज करेंगे।

ऊर्जा आपूर्ति पर सरकार का भरोसा: संकट के बीच भी भारत पूरी तरह सुरक्षित

सरकार बोली—देश में ऊर्जा संसाधनों की कोई कमी नहीं

वैश्विक तनाव के बीच भी भारत की अर्थव्यवस्था और आपूर्ति तंत्र मजबूत

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर पश्चिम एशियामें चल रहे भू-राजनीतिक तनाव और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में आ रही रुकावटों के बीच भारत सरकार ने देशवासियों को बड़ी राहत दी है। अंतर मंत्रालयी प्रेस वार्ता के दौरान केंद्र ने साफ किया है कि भारत में ऊर्जा संसाधनों की कोई कमी नहीं है। एक ओर जहां कोयला और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति सुचारू रूप से चल रही है, वहीं दूसरी ओर, विदेश में फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी के लिए व्यापक कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार का यह आधिकारिक बयान अर्थव्यवस्था और बाजार के लिए एक सकारात्मक संकेत है। आइए जानते हैं सरकार की ओर से क्या-क्या कहा गया।

जागरूकता बढ़ाने के लिए तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने करीब 1,600 कैंप लगाए हैं और लगभग 14,000 सिलेंडर वितरित किए हैं। 23 मार्च से अब तक कुल 8.9 लाख एलपीजी सिलेंडर बेचे जा चुके हैं।

बाजार में कालाबाजारी और अन्य कदाचार रोकने के लिए सख्ती तेज कर दी गई है। हाल ही में लगभग 4,000 छापेमारी की गई, जिसमें 56,000 सिलेंडर जब्त हुए। कंपनियों ने 1,770 कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं।

कोयला उत्पादन और बिजली आपूर्ति

कोयला मंत्रालय के संयुक्त सचिव संजीव कुमार कस्सी ने देश में बिजली उत्पादन को लेकर स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने आश्वस्त किया कि देश की खदानों और बिजली संयंत्रों में कोयले का पर्याप्त भंडार मौजूद है, जिससे उपभोक्ताओं को बहुत ही कम समय के नोटिस पर कोयले की आपूर्ति की जा सकती है। देश की कुल ऊर्जा जरूरतों का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा आज भी कोयला आधारित बिजली से पूरा होता है। कस्सी ने बताया कि बिजली उत्पादन क्षमता में कोई कमी नहीं है क्योंकि कोयले का उत्पादन उसकी खपत के स्तर के साथ पूरी तरह से तालमेल बिठाकर चल रहा है। भारत ने ऊर्जा की एक किफायती और पर्याप्त आपूर्ति बनाए रखी है तथा लगातार दूसरे वर्ष 1 अरब टन कोयला उत्पादन का ऐतिहासिक लक्ष्य हासिल किया है। कोयला मंत्रालय के संयुक्त सचिव ने बताया कि भारत के पास बिजली उत्पादन की जरूरतों के लिए 24 दिनों का कोयले का भंडार मौजूद है।

पेट्रोलियम, डीजल और एलपीजी की मजबूत स्थिति

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस (एलपीजी) के भंडार और आपूर्ति की विस्तृत जानकारी दी। रिफाइनरियां अपनी पूर्ण क्षमता से काम कर रही हैं और कच्चे तेल की पर्याप्त उपलब्धता के कारण पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है। घरेलू जरूरतों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इसी के तहत उर्वरक संयंत्रों को लगभग 95 प्रतिशत गैस की आपूर्ति की जा रही है। एलपीजी आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने पेट्रोकेमिकल्स के सीमित उपयोग की अनुमति देते हुए 33 और 34 धाराओं को एलपीजी पूल में डायवर्ट करने के सख्त निर्देश दिए हैं।

भारत ने युद्धविराम का स्वागत किया अपने नागरिकों को तुरंत देश छोड़ने की सलाह

नई दिल्ली। ईरान के साथ अमेरिका-इस्राइल की बातचीत के बाद दो हफ्तों के युद्धविराम का एलान किया जा चुका है। भारत सरकार की ओर से इस युद्धविराम का स्वागत किया गया है। इस बीच भारत सरकार ने ईरान में रहने वाले भारतीयों के लिए एडवाइजरी जारी की है। ईरान में भारतीय दूतावास की ओर से नागरिकों को तुरंत देश छोड़ने की सलाह दी गई है।

भारतीय दूतावास की एडवाइजरी—तुरंत ईरान छोड़ें नागरिक

अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच दो हफ्ते के युद्धविराम के एलान से कूटनीतिक हल का निकलने का रास्ता नजर आने लगा है। इस युद्धविराम पर भारत की ओर से भी प्रतिक्रिया सामने आई है। भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में इस युद्धविराम का स्वागत किया गया है। विदेश मंत्रालय ने कहा, हम इस युद्धविराम का स्वागत करते हैं और आशा करते हैं कि इससे पश्चिम एशिया में स्थायी शांति स्थापित होगी। जैसा कि हमने पहले भी कई बार कहा है, मौजूदा संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त करने के लिए तनाव कम करना, संवाद और कूटनीति आवश्यक हैं।"

होर्मुज को लेकर भारतीय विदेश मंत्रालय ने कही ये बात

भारत ने कहा, "इस संघर्ष ने लोगों को भारी पीड़ा पहुंचाई है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति एवं व्यापार नेटवर्क को बाधित किया है। हम आशा करते हैं कि होर्मुज जलडमरूमध्य में निर्बाध नौवहन और वैश्विक व्यापार का प्रवाह जारी रहेगा। गौरतलब है कि पश्चिम एशिया में एक महीने से अधिक समय से ईरान युद्ध के चलते दुनियाभर में ऊर्जा संकट गहरा गया था।

दूतावास ने भारतीय नागरिकों को दी ईरान छोड़ने की सलाह

तेहरान में भारतीय दूतावास ने मौजूदा हालातों को देखते हुए भारतीय नागरिकों को तुरंत देश छोड़ने की सलाह दी है। इससे पहले सात अप्रैल को जारी हुई पिछली एडवाइजरी में लोगों को सतर्क और सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई थी। दूतावास ने कहा है कि भारतीय नागरिक दूतावास के अधिकारियों के साथ संपर्क करें और उनके बताए सुरक्षित रास्तों से ही ईरान से बाहर निकलें। दूतावास ने सख्त हिदायत दी है कि कोई भी भारतीय नागरिक बिना सलाह लिए किसी भी अंतरराष्ट्रीय सीमा की ओर जाने की कोशिश न करे। किसी भी सीमा पर जाने से पहले दूतावास से तालमेल बिठाना अनिवार्य है।

खरगे के बयान पर विवाद: गुजरात टिप्पणी पर जताया खेद, कहा—गलत तरीके से पेश हुई बात

कांग्रेस अध्यक्ष बोले—गुजरात के लोगों के प्रति पूरा सम्मान

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुजरात के लोगों को अशिक्षित बताने वाले अपने बयान पर खेद जताया है। उन्होंने कहा कि उनके भाषण को गलत तरीके से पेश किया गया और वे गुजरात का पूरा सम्मान करते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केरल में दिए अपने एक चुनावी भाषण पर सफाई दी है। उन्होंने अपने बयान पर गहरा खेद व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी टिप्पणियों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। खरगे ने साफ किया कि उनका इरादा गुजरात के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाना कभी नहीं था। उन्होंने कहा कि गुजरात के लोगों के प्रति उनके मन में हमेशा सर्वोच्च सम्मान रहा है और आगे भी रहेगा।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब खरगे ने केरल के इडुक्की जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। वहां उन्होंने केरल के लोगों की शिक्षा और समझदारी की तारीफ की थी। इसी दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी

और मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन पर निशाना साधते हुए कहा था कि वे उन लोगों को मूर्ख बना सकते हैं जो कम पढ़े लिखे हैं, जैसा कि गुजरात और कुछ अन्य जगहों पर होता है। उन्होंने कहा था कि केरल के जागरूक मतदाताओं को गुमराह करना मुमकिन नहीं है। इस बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था।

शशि थरूर ने भी दी थी प्रतिक्रिया

वहीं कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी इस मामले पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि राजनीति में बातचीत का स्तर लगातार गिर रहा है। हमें अपनी भाषा का स्तर उन लोगों जैसा नहीं करना चाहिए जो अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने आगे कहा नेताओं को अपनी भाषा की मयार्दा बनाए रखनी चाहिए। अब चुनाव से ठीक पहले खरगे ने इस मामले पर खेद जताकर विवाद को शांत करने की कोशिश की है। बता दे कि केरल की 140 सीटों पर 9 अप्रैल को मतदान होना है।

वियतनाम में पटना के व्यापारी की मौत वीजा अड़चन के कारण तीन दिन से अटका शव

केंद्र सरकार से गुहार

पटना। पटना के एक परिवार के लिए दुखद स्थिति पैदा हो गई है, जहां शहर के व्यापारी बिंदा सिंह की वियतनाम में इलाज के दौरान मौत हो गई। पिछले तीन दिनों से उनका परिवार उनके पार्थिव शरीर के भारत लाए जाने का इंतजार कर रहा है, लेकिन वीजा संबंधी तकनीकी कारणों के चलते स्थानीय प्रशासन ने अनुमति नहीं दी है। अब परिवार ने केंद्र सरकार से मदद की गुहार लगाई है।

दरअसल, विग्रहपुर निवासी और पटना के चांदनी चौक इलाके में इलेक्ट्रॉनिक्स का कारोबार करने वाले बिंदा सिंह एक महीने पहले 90 सदस्यीय भारतीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ वियतनाम गए थे। यह यात्रा एक निजी टूर ऑपरेटर द्वारा आयोजित की गई थी, जिसमें पटना के लगभग 25 लोग शामिल थे। परिजनों के अनुसार, वापसी की तैयारी के दौरान वियतनाम के एक एयरपोर्ट पर उन्हें दिल का दौरा पड़ा। उन्हें तुरंत फु क्वोक द्वीप के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, बाद में बेहतर इलाज के लिए हो ची मिन्ह सिटी भेजा गया।

परिवार का दावा है कि इस स्थानांतरण के लिए अलग वीजा की जरूरत थी, जो पहले से नहीं लिया गया था।

मेरठ की पहली महिला सांसद मोहसिना किदवई ने 94 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस, कांग्रेस में शोक की लहर

मेरठ। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री और मेरठ की पहली महिला सांसद मोहसिना किदवई का 94 वर्ष की उम्र में नोएडा के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। उन्होंने 1980 और 1984 में मेरठ से लोकसभा चुनाव जीतकर इतिहास रचा था। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री और मेरठ की पहली महिला सांसद मोहसिना किदवई का बुधवार को 94 वर्ष की उम्र में निधन हो गया।

उन्होंने नोएडा के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके निधन से कांग्रेस समेत राजनीतिक जगत में शोक की लहर है। मोहसिना किदवई मेरठ लोकसभा सीट से दो बार सांसद रहीं और शहर का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली तथा अब तक की इकलौती महिला सांसद थीं। उन्होंने 1980 और 1984 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर जीत हासिल की थी।

साल 1980 के लोकसभा चुनाव में मोहसिना किदवई ने जनता पार्टी (सेक्युलर) के उम्मीदवार हरीश पाल को 57,217 वोटों से हराया था। इसके बाद 1984 के चुनाव में कांग्रेस ने उन्हें दोबारा मैदान में उतारा, जहां उन्होंने लोकदल के मंजूर अहमद को 96,518 वोटों से पराजित किया। इन दोनों जीत के साथ मोहसिना किदवई ने मेरठ की राजनीति में नया इतिहास रचा और संसद में क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

अप्रैल में दिसंबर जैसी सर्दी, चकराता में हुई बर्फबारी मौसम बदलते ही ठंड में हुआ इजाफा

देहरादून। रुक-रुक कर हो रही बारिश के बाद बुधवार सुबह करीब 11 बजे देवबन, खड़म्बा, दुरानी, कांवतालानी और मोयला टॉप सहित ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फ के फाहे गिरने लगे।

चकराता क्षेत्र की ऊंचाई वाली पहाड़ियों पर अप्रैल माह के पहले सप्ताह में ही बुधवार को इस सीजन की पांचवीं बर्फबारी दर्ज की गई। बर्फबारी के बाद मौसम ने एक बार फिर करवट ली है और ठंड का असर बढ़ गया है। बीते मंगलवार से रुक-रुक कर हो रही बारिश के बाद बुधवार सुबह करीब 11 बजे देवबन, खड़म्बा, दुरानी, कांवतालानी और मोयला टॉप सहित ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फ के फाहे गिरने लगे। इससे न्यूनतम तापमान तीन डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अचानक बदले मौसम का

असर सेब बागवानों पर भी पड़ने की आशंका है। सेब उत्पादकों से जुड़े बागवान कलम सिंह चौहान, विजन सिंह चौहान, हुकम सिंह, कल्याण सिंह, खजान, गुमान सिंह, दलीप सिंह, कृपाल चौहान, महावीर प्रधान और टीकम सिंह ने बताया कि चार अप्रैल को हुई ओलावृष्टि से पहले ही नुकसान हुआ था।

उन्होंने बताया कि छह से सात हजार की फीट की ऊंचाई वाले क्षेत्रों में इस समय सेब के बागानों में फ्लोरिंग का समय होता है, जिसके लिए संतुलित तापमान आवश्यक होता है।

सुप्रीम कोर्ट : धर्म में अंधविश्वास तय करने का अधिकार अदालत को

केंद्र बोला—अदालत नहीं, विधायिका तय करे अंधविश्वास

नई दिल्ली। सबरीमाला मंदिर मामले से जुड़ी सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को यह महत्वपूर्ण अवलोकन किया कि किसी धर्म में कौन सी प्रथा अंधविश्वास है, यह तय करने का अधिकार और अधिकार क्षेत्र रखता है। यह टिप्पणी केंद्र सरकार के उस तर्क के जवाब में आई जिसमें कहा गया था कि एक धर्मनिरपेक्ष अदालत इस मुद्दे पर फैसला नहीं कर सकती क्योंकि न्यायाधीश कानून के विशेषज्ञ होते हैं, धर्म के नहीं।

सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से जुड़े 2018 के फैसले के बाद सुप्रीम कोर्ट अब धर्म के भीतर अंधविश्वास की परिभाषा तय करने के अधिकार क्षेत्र पर विचार कर रहा है।

बुधवार को एक नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष हुई सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने यह महत्वपूर्ण अवलोकन किया कि किसी धर्म में कौन सी प्रथा अंधविश्वास है, यह तय करने का अधिकार और अधिकार क्षेत्र रखता है।

जजों ने कहा—अंधविश्वास पर फैसला करना न्यायालय के दायरे में

केंद्र सरकार का तर्क और सुप्रीम कोर्ट का जवाब : यह टिप्पणी केंद्र सरकार की उस दलील के जवाब में आई, जिसमें सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि एक धर्मनिरपेक्ष अदालत इस मुद्दे पर फैसला नहीं कर सकती, क्योंकि न्यायाधीश कानून के विशेषज्ञ होते हैं, न कि धर्म के।

मेहता ने तर्क दिया कि यदि कोई प्रथा अंधविश्वास मानी भी जाती है, तो यह तय करना अदालत का काम नहीं है, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 25(2)(बी) के तहत विधायिका का काम है कि वह सुधार कानून बनाए। उन्होंने कहा कि विधायिका किसी विशेष प्रथा को अंधविश्वास बताकर उसमें सुधार कर सकती है, जैसा कि जादू-टोना और अन्य ऐसी प्रथाओं को रोकने के लिए कई कानून बनाए गए हैं। हालांकि, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने मेहता के इस तर्क को बहुत सरल बताते हुए कहा कि अदालत के पास यह तय करने का अधिकार और अधिकार क्षेत्र है कि कोई चीज अंधविश्वास है या नहीं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके बाद क्या होगा, यह विधायिका का काम है, लेकिन अदालत में यह नहीं कहा जा सकता कि विधायिका का निर्णय ही अंतिम होगा।

न्यायिक विशेषज्ञता और धार्मिक विविधता पर सवाल

सॉलिसिटर जनरल मेहता ने यह भी तर्क दिया कि एक धर्मनिरपेक्ष अदालत यह तय नहीं कर सकती कि कोई धार्मिक प्रथा केवल अंधविश्वास है, क्योंकि अदालत के पास ऐसी विद्वत्तापूर्ण क्षमता नहीं हो सकती। उन्होंने कहा 'आप (न्यायाधीश) कानून के क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं, धर्म के नहीं।' मेहता ने यह भी कहा कि नागालैंड के लिए जो धार्मिक हो सकता है, वह किसी और के लिए अंधविश्वास हो सकता है, क्योंकि समाज अत्यंत विविध है।

न्यायमूर्ति बागची का सवाल

इस पर न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि यदि जादू-टोना को धार्मिक प्रथा का हिस्सा माना जाए, तो क्या उसे अंधविश्वास नहीं माना जाएगा? उन्होंने मेहता से पूछा कि यदि अदालत के पास अनुच्छेद 32 के तहत ऐसी याचिका आती है कि जादू-टोना की एक धार्मिक प्रथा मौजूद है, और विधायिका खामोश है, तो क्या अदालत 'खाली क्षेत्र के सिद्धांत' का उपयोग करके स्वास्थ्य, नैतिकता और सार्वजनिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए ऐसी प्रथा को प्रतिबंधित करने का निर्देश नहीं दे सकती? सॉलिसिटर जनरल ने जवाब दिया कि न्यायिक समीक्षा की जा सकती है क्योंकि यह 'स्वास्थ्य, नैतिकता और सार्वजनिक व्यवस्था' के अंतर्गत आता है, न कि इसलिए कि यह अंधविश्वास है।

1.74 लाख करोड़ की 5 बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी, विकास को मिलेगी रफ्तार

जयपुर मेट्रो, खाद सब्सिडी और रिफाइनरी समेत बड़े फैसले

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 1.74 लाख करोड़ रुपये के पांच बड़े फैसलों को मंजूरी दी है। इसमें जयपुर मेट्रो, किसानों के लिए खाद सब्सिडी, एचपीसीएल रिफाइनरी और दो हाइड्रो परियोजना शामिल हैं। आइए, विस्तार से जानते हैं कि किस परियोजना के लिए सरकार ने कितना पैसा लगाया है। साथ ही ये भी समझेंगे कि ये कितनी अहम हैं। देश के विकास को नई रफ्तार देने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कुल 1,74,207 करोड़ रुपये के पांच बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। सरकार ने जयपुर मेट्रो फेज-2 को 13,038 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी है। यह 41 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर होगा जिसमें 36 स्टेशन बनेंगे और यह प्रहलादपुरा से टोडी मोड तक जाएगा। वहीं, खरीफ 2026 के लिए 41,534 करोड़ रुपये की खाद सब्सिडी भी मंजूर की गई है। इससे किसानों को डीएपी और अन्य उर्वरक

अरुणाचल में दो हाइड्रो परियोजनाओं से बढ़ेगा बिजली उत्पादन

सस्ती कीमत पर मिलेंगे और खेती की लागत कम होगी। आइए, सरकार द्वारा सभी लिए गए फैसलों पर नजर डालते हैं। और आसान भाषा में समझने की कोशिश करते हैं।

41,534 करोड़ रुपये की सब्सिडी डीएपी और एनपीके जैसे खाद शामिल किसानों को सस्ती दर पर उर्वरक खेती की लागत में कमीइस परियोजना से सड़क, पुल और ट्रांसमिशन लाइन जैसी सुविधाएं विकसित होंगी। साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार और मुआवजा मिलेगा।

2031 तक पूरा करने का लक्ष्य

सरकार ने खरीफ 2026 सीजन के लिए 41,534 करोड़ रुपये की न्यूट्रिएंट बेस्ड सब्सिडी को मंजूरी दी है। यह सब्सिडी फॉस्फेटिक और पोटाश उर्वरकों पर दी जाएगी, जिसमें डीएपी और एनपीके जैसे खाद शामिल हैं। इसका मकसद किसानों को सस्ती कीमत पर खाद उपलब्ध कराना है, ताकि खेती की लागत कम हो सके। अंतरराष्ट्रीय बाजार में उर्वरकों की कीमतों में उतार-चढ़ाव को देखते हुए सरकार ने यह कदम उठाया है। इस योजना के तहत कंपनियों को सब्सिडी दी जाएगी, जिससे किसान को सीधे सस्ता खाद मिलेगा। सरकार का दावा है कि इससे खेती को बढ़ावा मिलेगा और उत्पादन में सुधार होगा।

एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी परियोजना

एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी देश के सबसे बड़े ऊर्जा परियोजना में से एक है। इसकी लागत बढ़ाकर 79,459 करोड़ रुपये कर दी गई है। यह परियोजना राजस्थान के बालोतरा जिले के पचपदरा में बन रहा है और इसमें पेट्रोल, डीजल के साथ कई पेट्रोकेमिकल उत्पाद तैयार होंगे।

इस रिफाइनरी से देश की आयात पर निर्भरता कम होगी और ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। इसके साथ ही करीब 25 हजार लोगों को रोजगार मिला है और आगे भी रोजगार के मौके बनेंगे। यह परियोजना 2026 में शुरू होने की उम्मीद है और इससे औद्योगिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

जयपुर मेट्रो फेज-2 परियोजना

जयपुर मेट्रो फेज-2 शहर के ट्रांसपोर्ट सिस्टम को पूरी तरह बदलने वाली परियोजना मानी जा रही है। यह 41 किलोमीटर लंबा नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर होगा, जो प्रहलादपुरा से टोडी मोड तक जाएगा। इस रूट में 36 स्टेशन होंगे और यह शहर के बड़े इलाकों जैसे एयरपोर्ट, सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया, टोंक रोड और एसएमएस अस्पताल को जोड़ेगा। इससे लोगों को तेज, सस्ता और आसान सफर मिलेगा। इस परियोजना का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि शहर में ट्रैफिक जाम कम होगा और प्रदूषण भी घटेगा। अभी मेट्रो के पहले चरण में रोज करीब 60 हजार लोग सफर करते हैं, लेकिन फेज-2 आने के बाद यह संख्या कई गुना बढ़ने की उम्मीद है। यह परियोजना 2031 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है और इससे जयपुर को आधुनिक शहर बनाने में मदद मिलेगी।

दैनिक

करंट क्राइम

www.currentcrime.com

सिर्फ सच...

03 ● नई दिल्ली। गुरुवार 09 अप्रैल -2026 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

करंट क्राइम — ट्वीट का करंट

Abhijit Mukherjee
38m · DIALOMUSIX • सपना उसी का पूरा होता है, ...

"जहाँ विचार मजबूत हों, वहाँ बदलाव निश्चित है"

कहीं ले ना ले मीटिंग में कोई रिमांड
सपा कार्यालय में उठी सीसीटीवी लगाने की डिमांड

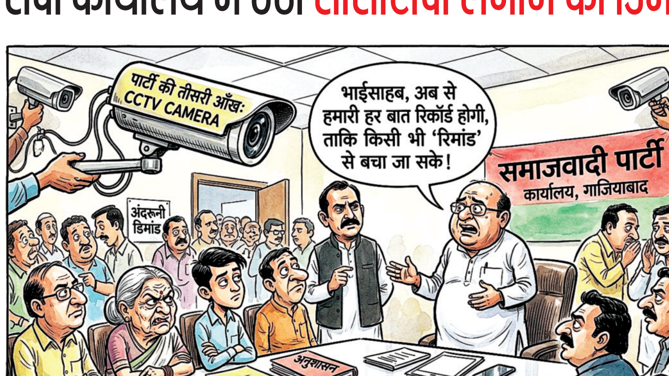

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि जैसे-जैसे 2027 के विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का फोकस चुनावी तैयारी पर है

गाजियाबाद, करंट क्राइम। समाजवादी पार्टी की आगामी रणनीतियों के बीच अब एक नया मुद्दा संगठन के भीतर चर्चा का विषय बन गया है। जिले में मासिक बैठकों की वीडियो रिकॉर्डिंग, खासतौर पर गाजियाबाद में आरडीसी स्थित पार्टी कार्यालय में होने वाली बैठकों को रिकॉर्ड करने की मांग ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सपा सूत्रों के अनुसार, दादरी में हाल ही में हुई रैली के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं में उत्साह तो बढ़ा है, लेकिन इसके साथ ही अंदरूनी मतभेद भी सतह पर आते दिख रहे हैं। बताया जा रहा है कि कुछ नेताओं के बीच बयानबाजी, सोशल मीडिया पोस्ट और आपसी आरोप-प्रत्यारोप की घटनाओं ने संगठन के माहौल को प्रभावित किया है। इसी के चलते कुछ पदाधिकारियों ने लखनऊ तक यह संदेश पहुंचाया है कि मासिक बैठकों की वीडियो रिकॉर्डिंग कराई जाए, ताकि बैठकों में होने वाली बातचीत और व्यवहार का स्पष्ट रिकॉर्ड रहे। इससे अनुशासन बनाए रखने और विवाद की स्थिति में सच्चाई सामने लाने में मदद मिल सकती है। हालांकि, पार्टी के जिला और महानगर अध्यक्षों ने ऐसी किसी आधिकारिक मांग से इनकार किया है। उनका कहना है कि संगठन में सब कुछ सामान्य है और इस तरह की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन दूसरी ओर, लखनऊ तक इस मुद्दे की चर्चा पहुंचना यह संकेत दे रहा है कि अंदरखाने कुछ न कुछ हलचल जरूर है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि जैसे-जैसे 2027 के विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का फोकस चुनावी तैयारी पर है, वैसे-वैसे संगठन में अनुशासन और एकजुटता बनाए रखना और भी जरूरी हो गया है। ऐसे में यदि स्थानीय स्तर पर मतभेद बढ़ते हैं, तो इसका सीधा असर चुनावी रणनीति पर पड़ सकता है। कुल मिलाकर, मासिक बैठकों की वीडियो रिकॉर्डिंग की मांग को सिर्फ सुरक्षा के नजरिए से देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह मांग कहीं न कहीं संगठन के भीतर चल रही खींचतान, अविश्वास और अनुशासन बनाए रखने की कोशिश का संकेत भी हो सकती है। आने वाले समय में यह साफ होगा कि यह कदम महज एहतियात है या फिर किसी बड़े अंदरूनी विवाद की आहट भी हो सकती है।

निर्दलीय पार्षद धीरेन्द्र बिल्लू के इस्तीफे पर सस्पेंस है बरकरार
पता ही नहीं चल रहा कि इस्तीफा स्वीकार हो गया है या अस्वीकार

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नगर निगम बोर्ड की बैठक में निर्दलीय पार्षद धीरेन्द्र यादव बिल्लू फिल्मी अंदाज में आये। हाउस टैक्स के विरोध में उन्होंने आवाज उठायी और फिर जेब से इस्तीफा निकाला और उसे हाथ में लेकर उस टेबल की ओर बढ़े जहां मेयर और नगरायुक्त बैठे थे। भाजपा पार्षदों ने निर्दलीय पार्षद को रोकने का प्रयास किया। लेकिन निर्दलीय पार्षद धीरेन्द्र यादव बिल्लू ने रोकने की कोशिश कर रहे भाजपा पार्षद नीरज गोयल का हाथ झटक दिया। इसके बाद उन्होंने अन्य पार्षदों की अन्य बातों को अनसुना किया और इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देते ही शोर मच गया और अगले दिन ये खबर पता चली कि इस्तीफा स्वीकारहो गया है। निगम एक्ट के हवाले से बताया गया कि अगर सदन चल रहा है और सदन के भीतर कोई भी पार्षद अपना इस्तीफ सभापति के रूप

में मौजूद मेयर को देता है तो वह उसी वक्त स्वीकार माना जायेगा। धीरेन्द्र यादव बिल्लू का इस्तीफा स्वीकार हो गया है। ये क्रान्तिकारी अंदाज सदन तक ठीक था लेकिन अब सवाल ये है कि अगर निर्दलीय पार्षद धीरेन्द्र यादव बिल्लू ने इस्तीफा दे दियातो वो वार्ड में बन रही सड़क की गुणवत्ता देखने क्यों चले गये। जब हाउस टैक्स के विरोध में रिजाईन हो ही गया है तो फिर उन्हें इतना तो संयम बरतना चाहिए कि वो सड़क सीवर जैसे मुद्दों से दूर रहें। लेकिन सूत्र बताते हैं कि धीरेन्द्र यादव बिल्लू भले ही इस्तीफा देकर आये हैं लेकिन वो वार्ड में पार्षद के रूप में काम कर रहे हैं। वो लगातार वार्ड के विकास कार्यों में इन्वॉल्व हैं। इस्तीफा देने के बाद भी वो निगम वाले लैटर पैड का इस्तेमाल कर रहे हैं। बड़ी बात ये है कि सब चीजें उनके वार्ड वाले ही एकत्र कर रहे हैं। अब सवाल ये है कि अगर धीरेन्द्र यादव बिल्लू का इस्तीफा स्वीकार हो गया है तो अब वो पार्षद वाला लैटर हैड क्यों इस्तेमाल कर रहे हैं। कई बैठकों में पार्षद के रूप में पहुंचे हैं। क्या धीरेन्द्र बिल्लू का इस्तीफा स्वीकार नहीं हुआ है। तभी वो लैटर पैड भी इस्तेमाल कर रहे हैं, विकास कार्यों में भी जा रहे हैं और अपने नाम के आगे पूर्व भी नहीं लिख रहे हैं। वहीं अगर इस्तीफा स्वीकार हो गया है तो फिर वो सड़क का निरीक्षण करने क्यों चले गये। वो खुद भी कुछ स्थिति स्पष्ट नहीं कर रहे हैं, ना वो खुद को पूर्व बता रहे हैं और ना वर्तमान बता रहे हैं। सस्पेंस बरकरार है कि उनका इस्तीफा स्वीकार हो गया है या अस्वीकार हो गया है। निगम वाले सूत्र बताते हैं कि तकनीकी रूप से मेयर ही इस पूरी तस्वीर को स्पष्ट कर सकती है। क्योंकि पार्षद सदन की मुखिया मेयर हैं। निर्दलीय पार्षद धीरेन्द्र यादव बिल्लू ने अपना इस्तीफा भी उन्हें दिया था। उन्होंने इस्तीफे को अपने पास रख लिया था। आज भी ये इस्तीफा उन्हीं के पास है। लिहाजा इस्तीफे के सस्पेंशन से पर्दा केवल मेयर उठा सकती हैं।

पब्लिक तो केवल इतना जानना चाहतीहै कि क्या इस्तीफा स्वीकार नहीं हुआ है। अगर नहीं हुआ है तो स्थिति स्पष्ट की जाये। अगर इस्तीफा स्वीकार हो गया है तो भी स्थिति स्पष्ट की जाये। बेचैनी तो बजरिया वाले वार्ड में भी है। क्योंकि धीरेन्द्र बिल्लू के इस्तीफा देते ही कीर्तन वाली गली में चाय की दुकान पर चौपाल बैठ गयी थी। सूत्र बताते हैं कि चौपाल में उपचुनाव को लेकर चर्चा हुई है। बजरिया में दावेदार एक्टिव हो गये हैं। वोटर लिस्ट का अध्ययन हो रहा है और कई के दिल में तो पार्षद बनने के अरमान भी जाग गये हैं। अब रिजाईन वाली बात पर अगर सीन स्पष्ट हो जाये तो जनता के लिए भी बेहतर होगा।

स्थापना दिवस पर कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने अंत्योदय का पाठ पढ़ाया
बैठे कर्मचारियों के साथ और सामूहिक भोज का आयोजन कराया

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भाजपा के स्थापना दिवस पर कार्यक्रमों का एक सिलसिला चल रहा है। स्थापना दिवस के कार्यक्रमों से भाजपा एक संदेश दे रही है। संदेश देने की कड़ी में निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष और राजनगर से निगम पार्षद प्रवीण चौधरी ने वास्वत में अंत्योदय का पाठ पढ़ाया। सामाजिक समरसता का संदेश दिया और भाजपा के स्थापना दिवस पर वो एक संदेश देने में सफल रहे कि भाजपा समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के हित की रक्षक है। भाजपा सामाजिक समरसता की संवाहक है और सबका साथ सबका विकास हमारी जीवन शैली का अंग है। भाजपा के स्थापना दिवस पर एक अनूठी मिसाल निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने अपने वार्ड से की है। प्रवीण चौधरी ने राजनगर सेन्ट्रल पार्क में नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग और उद्यान विभाग के कर्मचारियों के साथ बैठकर भोजन किया। सबसे बड़ी बात ये थी कि इस सहभोज में केवल कर्मचारी ही नहीं थे बल्कि ये प्रवीण चौधरी काविजन था कि इस सहभोज में आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी मौजूद थे। मंदिर समिति के अध्यक्ष मौजूद थे। एक संदेश शानदार तरीके से दिया गया। जब सब लोग बैठे और कर्मचारियों से उनकी परेशानी पूछी गयी। उनकी समस्याओं का समाधान करने का वादा प्रवीण चौधरी ने किया।

इस सहभोज में भाजपा सहकारिता क्रय विक्रय समिति के अध्यक्ष तथा मंदिर समिति के अध्यक्ष विरेन्द्र सारस्वत ने भाजपा की नीतियों की जानकारी और सरकार द्वारा कराये गये विकास कार्यों का और पार्टी की जनकल्याणकारी विचारधारा की जानकारी कर्मचारियों को दी। एक संदेश दिया कि भाजपा हर वर्ग की कल्याण की सोच के साथ काम करती है। एक बेहतर पहल राजनगरसे शुरू हुई। सहभागिता , सहयोग और समरसता का एक बेहतर संदेश राजनगर के सेन्ट्रल पार्क से निकला। इस सहभोज में राजनगर आरडब्ल्यू के अध्यक्ष डीके गोयल, महामंत्री अमरीश त्यागी भी मुख्य रूप से मौजूद रहे।

समाजवादी पार्टी मान रही है किन सीटों पर खुद को मजबूत
गाजियाबाद की लोनी, धौलाना और मोदीनगर में दिखेगा वजूद

गाजियाबाद, करंट क्राइम। सियासत में हर पार्टी का दावा होता है और सियासत में हर पार्टी हकीकत को बेहतर जानती है। लेकिन दावे से बड़ी चीज समीकरण होता है। पार्टी कई सीटों पर सर्वे कराती है इन सर्वे की रिपोर्ट के आधार पर वो समीकरण में फेर बदल करती है। समीकरण के हिसाब से वो उम्मीदवारों के चेहरे तय करती है। पार्टी अपनी रणनीति पर चलती है और दावेदारी अपनी हसरतों पर आती है। विपक्ष की राजनीति की बात करें तो समाजवादी पार्टी दादरी रैली के बाद से अब विधानसभा की सीटों का गणित बिठा रही है। वो इलैक्शन से पहले चुनावी कैलकुलेशन लगा रही है। सूत्र बताते हैं कि समाजवादी पार्टी लोनी, धौलाना और मोदीनगर को अपने मजबूत गढ़ मानकर चल रही है। समाजवादी पार्टी इन सीटों को अपने लिए पॉजिटिव सीट मान रही है। दैनिक करंट क्राइम पहले भी यह प्रकाशित कर चुका है कि समाजवादी सर्वे में किन सीटों पर फोकस चल रहा है। दैनिक करंट क्राइम ने पहले भी ये बताया था कि साहिबाबाद और मुरादनगर पर सपा का फोकस नहीं है लेकिन इन सीटों पर उसका पूरा फोकस है। सूत्र बताते है कि समाजवादी पार्टी यहां सर्वे करा चुकी है और वो बूथ लेवल पर जातिगत आंकड़ों के गणित को सुलझा रही है। बताया जाता है कि लोनी धौलाना और मोदीनगर में वो अति पिछड़ी जातियों की सियासी तमन्ना की नब्ज टटोल रही है। सपा उन जातियों पर फोकस कर रही है जो कई बार राजनीतिक कैलकुलेशन में छूट जाती है। लेकिन कैलकुलेशन में छूट गई ये जातियां एक मुश्त होकर इलेक्शन में किसी को जिताती है। ये एक मुश्त वोट बैंक चुनावी रूप से बड़ा कारगर साबित होता है। सूत्र बताते हैं कि सपा इसी वोट बैंक पर फोकस कर रही है और इन जातियों के मतदाता समीकरण को साझा जा रहा है।

विधानसभा से नगर पालिका तक लोनी की हिस्ट्री

करंट क्राइम। समाजवादी पार्टी लोनी सीट पर फोकस कर रही है। यहां भले ही भाजपा लगातार दो बार जीती है लेकिन यहां समाजवादी पार्टी का एक बड़ा वोट बैंक है। यहां जाकिर अली बसपा से विधायक रहे हैं फिलहाल वो सपा में है। यहां विपक्ष के रूप में साईकिल तेज दौड़ती है। नगर पालिका की बात करें तो रंजीता धामा ने रालोद के टिकट पर जीत हासिल की और ये जीत उन्होंने भाजपा को हराकर हासिल की। ये बात अलग है कि अब रालोद भाजपा का सहयोगी दल है। मगर चुनावी आंकड़ों के हिसाब से देखें तो यहां साईकिल का समीकरण टक्कर देने की स्थिति में है और अगर उसे एक मुश्त वोट बैंक प्राप्त होता है तो समीकरण बदल भी सकते हैं। शर्त ये है कि अति पिछड़ी जातियों और मुस्लिम वोटों की गोलबंदी साईकिल के पक्ष में हो जाये।

मोदीनगर में चला है हैंडपम्प और जीती है साईकिल

करंट क्राइम। मोदीनगर की बात करें तो यहां लहर से पहले शहर की कहानी दूसरी रही है। यहां से मास्टर राजपाल बसपा और रालोद के संयुक्त प्रत्याशी होकर लड़े और चुनाव जीते थे। वो विधायक रहे हैं। वो भाजपा को हराकर विधायक बने थे। यहां से सुदेश शर्मा रालोद के टिकट पर विधायक बने, वो भी भाजपा को हराकर जीते थे। यहां से राम आसरे शर्मा की पत्नी नगर पालिका की अध्यक्ष रही हैं। फिलहाल दो बार से मंजू शिवाच विधायक हैं। यहां अगर विपक्ष की बात करें तो विपक्ष मजबूत स्थिति में है। यही वजह है कि समाजवादी पार्टी के सर्वे में ये सीट उसे माईलेज देती दिख रही है। यहां भी जातीय वोट बैंक एक बड़ा आधार है।

समीकरणों के हवाले है धौलाना का फसाना

करंट क्राइम। धौलाना की बात करें तो यहां भी सियासी जमीन भाजपा के लिए उतनी ऊपजाऊ नहीं है। यहां से समाजवादी पार्टी के टिकट पर धर्मेश तोमर चुनाव जीते। यहां बसपा के टिकट पर असलम चौधरी विधायक बने। यहां भाजपा के टिकट पर रमेश चंद तोमर चुनाव हार गये। यहां भाजपा ने जब चेहरा बदला और धर्मेश तोमर को टिकट दिया तो भाजपा जीत पाई। ऐसे में समीकरण ये है कि टिकट से ज्यादा चेहरे पर फोकस है। यहां भी वोटों की गोलबंदी का गणित साईकिल को रफ्तार में रखता है। सपा का चुनावी समीकरण यहां साईकिल को माईलेज दे सकता है।

हाईराइज वोटर नहीं बनता विधानसभाओं में सपा का सपोटर

करंट क्राइम। समाजवादी पार्टी एक बेहतर चुनावी खिलाड़ी के रूप में अपने चेहरे सेट कर रही है। वो रण को मजबूती से लड़ना चाहती है। ऐसे में उसने निजी एजेंसियों का सर्वे कराया है। यहां उसका फोकस साहिबाबाद सीट पर नहीं है। उसका फोकस मुरादनगर सीट पर भी नहीं है। इसकी वजह भी यह है कि साहिबाबाद एक ऐसी सीट है जो भाजपा का मजबूत गढ़ है। गढ़ को मजबूती हाईराईज वोटर देता है। ये वोटर साईकिल या हाथ या हाथी को सपोर्ट करता नहीं दिखता।

ये परम्परागत वोटर है और अगर आंकड़ों के लिहाज से देखें तो विधानसभा में देश की सबसे बड़ी जीत यहां भाजपा को मिली है। लोकसभा में सबसे बड़ा जनादेश भाजपा को इसी विधानसभा से मिलता है। वहीं मुरादनगर सीट भी कमल को सपोर्ट करती है। इसकी सत्यता यह है कि मेयर उपचुनाव में जब 17 प्रतिशत का मतदान हुआ तो इस 17 प्रतिशत मतदान में भाजपा के अशु वर्मा 40 हजार से भी अधिक वोटों से चुनाव जीत गये थे। जब परीसीमन के बाद इस विधानसभा सीट पर स्वर्गीय राजपाल त्यागी जैसे दिग्गज चुनाव लड़े तो कार, कप प्लेट, साईकिल, हाथी पर चुनाव जीतने वाले स्वर्गीय राजपाल त्यागी भी कांटे के मुकाबले में 3600 वोट से यहां चुनाव हार गये थे। यहां एक बड़ा इलाका भाजपा का गढ़ है। वजह वही है कि यहां सपा का कैडर वोट नहीं है। ऐसे में सपा इन दो सीटों को कांग्रेस के लिए छोड़ सकती है और तीन सीटों पर वो दावा करेगी।

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि आप बैठे हो मेरे पास तो कर रहा हूं मैं आपसे एक बात का जिक्र? गाजियाबाद के एक बड़े यादव चेहरे कर रहे हैं इन दिनों सिकंदराबाद की फिक्र? वो बहुत सारी मेहनत करके यहां से रहे हैं अपनी भूमिका तलाश? मैं ऐसे ही नहीं ये कह रहा हूं इसका जिक्र मैंने गाजियाबाद के साईकिल वालों के बीच में बैठकर सुना है साहब?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हमें हुआ है अंदर से इस बात का एहसास? युवा उमेश को उम्मीद थी कि नामित वाला मैटर आयेगा उसके पास? उसे अपने विधायक जी पर था पूरा यकीन? मगर एक झटके में बदल गया सारा सीन? नहीं आया उसका सूची में नाम? फिर उससे किसी ने कहा ये तो तुम्हारे साथ हो गया गलत काम? उसने कहा हम पर काफी है विधायक जी का ही आशीर्वाद? महत्वकांक्षाएं तो हमारी पूरी कभी भी हो जायेंगी साहब?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि चर्चा हो रही है इधर से उधर? जब इतने सारे हो गये तो फिर कब होगा क्रासिंग वाले मंडल का प्रशिक्षण शिविर? क्या मिस्टर वीरू को मिल गई है कुछ ज्यादा ही छूट? ना ही कमेटी घोषित करने की चिंता? ना ही प्रशिक्षण के देने हैं उनको प्रूफ? कहने वाले ने कहा ये बात अच्छी नहीं है श्रीमान? हम काम करें और वो करें आराम?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हमारे भगवा संगठन में कुछ पदाधिकारी चला रहे हैं कुछ अलग ही ट्रेंड? जिन्होंने जीएसटी के खिलाफ पार्टी से इस्तीफा दिया? ये चेहरे कर रहे हैं उनको ही अटेंड? हमने लाईन पार में देखा ऐसा ही सीन? स्वागत करके ऐसे चेहरों का महामंत्री और कोषाध्यक्ष दे रहे थे उनको चिट क्लीन? कहने वाले ने कहा हम दिल पर जोर मारकर देख रहे थे ये स्वागत वाला सीन?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि चोटी वाले त्यागी जी की क्रान्तिकारी पोस्ट डालने की प्रक्रिया अभी तक है जारी? उन्होंने तलवे चाटने वाली पोस्ट से दिखाई अपने विरोध की तैयारी? हमने देखा दिलजले को मिला दिलजले का साथ? उनकी पोस्ट पर नागर जी करते दिखे जिंदाबाद? कहने वाले ने कहा वैसे भी गणित का है कुछ और ही सीन? माईनस-माईनस मिलकर मामला प्लस होता है? ऐसा लग रहा है दोनों की जोड़ी बन गई है? दोनों की आपस में जम गई है?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि जिलाध्यक्ष जी का सूचना तंत्र चल रहा है कमजोर? इसलिए कई प्रमुख पदाधिकारी कार्यक्रमों से हो रहे हैं इग्नोर? सूचना देने वाले सिर्फ व्हाटसऐप पर सूचना डालकर निपटा रहे हैं काम? कहने वाले ने कहा अब कोई गलती से मैसेज ना देखे तो आप ही बताओ कैसे वो कार्यक्रम में आयेगा श्रीमान?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं आपको बहुत ही अंदर की बात कर रहा हूं मेंशन? एक चेहरा अपने व्यक्तिगत आयोजन में हाफ हेयरकट वालों को नहीं देगा इन्वीटेशन? उसने मन में अब पूरी तरह से इनसे दूरी ली है मान? संदेश साफ है जब उन्होंने नहीं दिया मेरा साथ? तो फिर मैं क्यों रखू उनका ध्यान?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हटा सावन की घटा और होने दे सवेरा? अंदर से पता चला है साईकिल वाले किसी बड़े त्यागी चेहरे के सिर पर बांधेगें यहां से टिकट का सेहरा? लगा लिये गये हैं तमाम गुणा-भाग? कहने वाले ने कहा हवन की पूरी साम्रगी आ गई है? बस उसमें लगानी है थोड़ी सी आग?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हमें तो एके जी के प्रिय भगवा आरडी जी का लगता है मामला फाईन? वो जिस भी बड़े नेता से मांगते हैं वो ही दे देता है उनको टाईम? वैसे भी इस चेहरे के सभी सामाजिक कार्यक्रम होते हैं हिट? इसलिए हर बड़ा चेहरा उनमें खुद को करना चाहता है फिट? सुना है डिप्टी सीएम ने भी कर लिया है उनका निमंत्रण स्वीकार? कहने वाले ने कहा कुछ ऐसा ऊभर रहा है हमारे आरडी भैया का किरदार?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं करा रहा हूं आपको इस बात का एहसास? गुरू जी हैं इस वक्त मंत्री जी से अच्छे खासे नाराज? सुना है नाराजगी की वजह बताई जा रही है बैटर? सुना है नाराजगी की वजह को दिया जा रहा है कुछ इस तरह से अंजाम? अपने संबोधन में उन्होंने नहीं लिया योगी जी का नाम? पता चला है इस बात को दिया जा रहा है पूरी तरह से तूल? चर्चा वो यही कर रहे हैं कि ऐसे कैसे गये वो इतने बड़े चेहरे का नाम लेने से भूल?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

संपादकीय

युद्ध बढ़ता, शांति दूर

ईरान पर इजरायल और अमेरिका के हमले के बाद शुरू हुए युद्ध को अब एक महीना से ज्यादा हो चुका है, लेकिन अब भी तनाव और टकराव की आक्रामकता में कोई कमी नहीं देखी जा रही है। बीच-बीच में युद्ध विराम की बात उठती है और अगले ही दिन पहले से ज्यादा तीव्रता वाले हमलों के बीच गुम होकर रह जाती है। खबरों के मुताबिक, अमेरिका ने ईरान के खर्ग द्वीप पर फिर हमला किया। इसके अलावा, ईरान के अल्बोर्ज प्रांत में हुए ताजा हवाई हमले में कम से कम अठारह लोगों की मौत हो गई। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस धमकी ने वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ा दी है कि अगर ईरान मंगलवार रात आठ बजे तक होर्मुज जलमार्ग से जहाजों की आवाजाही पूरी तरह बहाल नहीं करता है, तो उसके सभी बिजली संयंत्रों और पुलों पर बमबारी की जाएगी। सवाल है कि क्या अमेरिका को इस बात की फिक्र है कि नागरिक ढांचों पर होने वाले हमलों को युद्ध अपराधों के दायरे में देखा जा सकता है। ईरान में हमले की वजह से एक स्कूल की कई बच्चियों की मौत को लेकर पहले ही अमेरिका-इजरायल के रवैये पर तीखे सवाल उठ चुके हैं। ऐसा लगता है कि इस युद्ध में हमले के ठिकाने चुनने के मसले पर मानवीयता के प्रश्न पीछे छूट गए हैं। जहां इजराइल और अमेरिका की ओर से ईरान पर मिसाइल की मार करने से लेकर बमबारी करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है, वहीं ईरान ने भी इजराइल सहित मध्य-पूर्व के देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों पर हमला करने में कोई कमी नहीं की है। इससे इतर युद्ध की वजह से मध्य-पूर्व के समूचे प्रभावित इलाके में जिस पैमाने पर कच्चे तेल का उत्पादन और उसका कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है, उसका असर समूची दुनिया पर किसी न किसी रूप में पड़ रहा है। बहुत सारे देशों में तेल, गैस और खाद की आपूर्ति बाधित हुई है। विडंबना यह है कि यह सब देखने-समझने के बावजूद युद्ध को खत्म करने या कम से कम कुछ दिनों के विराम की बात भी ठोस तरीके से सिरा नहीं पकड़ रही है। एक ओर अमेरिका के राष्ट्रपति आए दिन ईरान में सब कुछ नष्ट कर देने की धमकी देते हैं, तो दूसरी ओर ईरान इसका जवाब देने की बात करता है। तनाव के स्वरूप का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि ईरान ने पैंतालीस दिन के युद्धविराम के प्रस्ताव को खारिज कर दिया और कहा कि वह युद्ध की स्थायी और पूर्ण समाप्ति तथा फिर से ईरान पर आक्रमण नहीं किए जाने की गारंटी चाहता है। एक तरह से ईरान की इस मांग को समझा जा सकता है कि कूटनीतिक प्रयासों की सार्थकता तभी है, जब किसी भी वार्ता के माध्यम से स्थायी समाधान तक पहुंचा जा सके। अगर हल निकालने के लिए चल रही बातचीत में कोई तात्कालिक आश्वासन दिया जाता है और उसमें विश्वसनीयता की कमी होगी, तो ऐसे प्रयास युद्ध के मूल कारणों को दूर करने में नाकाम रहेंगे। बल्कि इसके विपरीत नतीजे भी निकल सकते हैं। जाहिर है, कुछ समय के युद्धविराम की गुंजाइश निकालने के बजाय संघर्ष को पूरी तरह खत्म करने के उपायों पर पहुंचने के उद्देश्य से बिना देर किए शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

रोचक तथ्यों का करंट

- दुनिया में 11 प्रतिशत लोग बाएं हाथ का इस्तेमाल करते हैं।
- अगस्त में सबसे ज्यादा लोग पैदा होते हैं।
- खाने का स्वाद उसमें सलाइवा (लार) मिलने के बाद ही आता है।
- औसतन लोग बिस्तर में जाने के 7 मिनिट में सो जाते हैं।
- भालू के 42 दांत होते हैं।
- शुतुरमुर्ग की आंख उसके दिमाग से बड़ी होती है।
- नींबू में स्ट्राबेरी के मुकाबले अधिक शक्कर होती है।
- आठ प्रतिशत लोगों में एक अतिरिक्त पसली होती है।
- दुनिया के 85 प्रतिशत पौधे समुद्र के अंदर होते हैं।
- हवायन अल्फाबेट सिर्फ 13 होते हैं।
- मिक्की माउस का इटली में नाम टोपोलिनो है।
- एक केकड़े का खून रंगहीन होता है। ऑक्सीजन मिलने के बाद यह नीला हो जाता है।
- पक्षियों को निगलने के लिए ग्रेविटी की जरूरत होती है।
- अंग्रेजी अल्फाबेट का सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला लेटर ए है। विश्व की दो सबसे अधिक कॉमन इस्तेमाल होने वाली भाषाएं मैंड्रियन चायनीज, स्पैनिश और अंग्रेजी है।

सीजफायर से बाजार में जबरदस्त उछाल, सेंसेक्स 2900 अंक चढ़ा

निफ्टी 23,997 के करीब, लगातार पांचवें दिन तेजी

मार्केट कैप में 16.59 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर के एलान के बाद भारतीय बेंचमार्क सूचकांक मजबूत हुए हैं। अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर का एलान दुनिया के साथ-साथ भारतीय शेयर बाजार के लिए भी राहत लेकर आया। बुधवार को घरेलू बेंचमार्क सूचकांक लंबी छलांग लगाकर बंद हुए। सेंसेक्स 2,946.32 (3.94%) की बढ़त के साथ 77,562.90 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी, ओर निफ्टी 873.70 (3.78%) अंक मजबूत होकर 23,997.35 के स्तर पर बंद हुआ।

अमेरिका-ईरान के बीच अस्थायी युद्धविराम, तेल की कीमतों में भारी गिरावट और अन्य अनुकूल कारकों के चलते सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में 3.5% से अधिक की तेजी आई और लगातार पांचवें सत्र में बढ़त दर्ज की गई। इस तेज उछाल से बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में लगभग 16.59 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई, जिससे यह बढ़कर 446 लाख करोड़ रुपये हो गया। बुधवार के कारोबारी सत्र के बाद बाजार के सभी प्रमुख सेक्टोरल सूचकांक हरे निशान पर बंद होने में सफल रहे।

रुपया 47 पैसे बढ़कर 92.59 प्रति डॉलर पर बंद हुआ

रिजर्व बैंक द्वारा प्रमुख बेंचमार्क दर को अपरिवर्तित रखते हुए तटस्थ रुख अपनाने के बाद, रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 47 पैसे मजबूत होकर 92.59 (अस्थायी) पर बंद हुआ। फॉरेक्स व्यापारियों ने कहा कि गवर्नर संजय मल्होत्रा द्वारा यह आश्वासन दिए जाने के बाद निवेशकों की भावना को बल मिला कि फॉरेक्स पर उठाए गए कदम संरचनात्मक परिवर्तन नहीं हैं।

अदाणी पर रिश्वत आरोप से लेकर बैंकिंग सुधार तक, कई बड़े आर्थिक फैसले

अदाणी मामले में एसईसी के आरोपों को वकीलों ने बताया निराधार

नई दिल्ली। अदानी और उनके भतीजे सागर अदाणी पर नवंबर 2024 में आरोप लगा था कि उन्होंने अदानी ग्रीन एनर्जी के लिए लाभ पाने हेतु भारतीय अधिकारियों को करोड़ों डॉलर की रिश्वत देने का वादा किया था। एसईसी का दावा है कि 2021 में 6,965 करोड़ रुपये के बॉन्ड ऑफरिंग दस्तावेजों में इस योजना को छिपाया गया। अदालती फाइलिंग में वकीलों ने दलील दी कि यह मामला अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन है

क्योंकि घटना और संबंधित व्यक्ति भारत के हैं। साथ ही वे बॉन्ड कभी अमेरिकी एक्सचेंज पर ट्रेड नहीं हुए थे। वकीलों ने रिश्वतखोरी के दावों को निराधार बताते हुए कहा कि इसमें अदाणी की कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं थी। फिलहाल इस मामले पर एसईसी की ओर से प्रतिक्रिया नहीं आई है।

तिमाही के दौरान निजी क्षेत्र के बैंकों ने सरकारी बैंकों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया। निजी बैंकों की जमा वृद्धि 12 से 17 फीसदी के बीच रही, जबकि सरकारी बैंकों में यह 2 से 14 फीसदी तक सीमित रही। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक 2.43 लाख करोड़ रुपये के साथ शीर्ष पर रहा।

एजीआर बकाया मामले में वोडाफोन आइडिया को राहत

दूरसंचार विभाग ने वोडाफोन-आइडिया के समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) से जुड़े बकाये के पुनर्मूल्यांकन की समय-सीमा जून तक बढ़ा दी है। पहले इस प्रक्रिया को 31 मार्च तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया था। स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क की समीक्षा के चलते समय-सीमा बढ़ाई गई है। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर वोडाफोन-आइडिया को राहत देते हुए वित्त वर्ष 2006-07 से 2018-19 तक के एजीआर बकाये को 87,695 करोड़ रुपये पर स्थिर कर दिया है।

दूरदराज क्षेत्रों में खुलेंगे बैंकिंग आउटलेट व टच पॉइंट

बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच आसान बनाने के लिए रिजर्व बैंक मौजूदा नियमों में बड़ा बदलाव कर रहा है। इसके लिए नया मसौदा तैयार कर लिया गया है। गांव-कस्बों में बैंकिंग सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए बैंकिंग आउटलेट व टच पॉइंट खुलेंगे। इन आउटलेट के जरिये खाता खोलने, पैसा निकालने, जमा करने, ट्रांसफर करने, चेक, पासबुक व एटीएम कार्ड समेत तमाम सुविधाएं उपलब्ध होंगी। नए नियमों के साथ इस व्यवस्था को जुलाई से लागू करने की तैयारी है। बिजनेस बैंकिंग आउटलेट व बैंकिंग टच पॉइंट के लिए अलग अलग व्यापार प्रतिनिधि (बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट) रखे जाएंगे।

एचडीएफसी बैंक पर आरबीआई की क्लीन चिट गवर्नेंस पर कोई सवाल नहीं

गवर्नर संजय मल्होत्रा बोले—निरीक्षण में नहीं मिली कोई गड़बड़ी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एचडीएफसी बैंक में शासन या आचरण से संबंधित कोई मुद्दा नहीं पाए जाने की पुष्टि की है। उन्होंने बुधवार को मौद्रिक नीति के बाद आयोजित एक प्रेस वार्ता में यह बात कही। यह स्पष्टीकरण एचडीएफसी बैंक के अध्यक्ष अतानु चक्रवर्ती के अचानक इस्तीफे और उसके बाद शेयर मूल्य में गिरावट से जुड़े सवालों के जवाब में आया।

एचडीएफसी बैंक के कामकाज पर केंद्रीय बैंक को पूरा भरोसा : मल्होत्रा ने बताया कि आरबीआई ने एचडीएफसी बैंक के पर्यवेक्षी निरीक्षण के दौरान ऐसी कोई समस्या नहीं पाई। उन्होंने बैंक की बैठकों के कार्यवृत्त भी देखे थे, जिसमें कोई महत्वपूर्ण चिंताजनक बात सामने नहीं आई। गवर्नर ने याद दिलाया कि आरबीआई ने 19 मार्च को जारी अपनी प्रेस विज्ञप्ति में भी कहा था कि बैंक के आचरण या शासन के संबंध में कोई चिंताजनक बात दर्ज नहीं है। आरबीआई ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में कहा था, एचडीएफसी बैंक एक घरेलू प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बैंक (डी-एसआईबी) है, जिसके वित्तीय आंकड़े मजबूत हैं, पेशेवर रूप से संचालित बोर्ड और सक्षम प्रबंधन टीम है। हमारे आवधिक मूल्यांकन के आधार पर, इसके आचरण या शासन के संबंध में कोई महत्वपूर्ण चिंताजनक बात दर्ज नहीं है।

एचडीएफसी बैंक पर आरबीआई का स्पष्टीकरण

भारतीय रिजर्व बैंक ने एचडीएफसी बैंक के अध्यक्ष के इस्तीफे के बाद उठे सवालों पर स्थिति स्पष्ट की है। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बैंक के पर्यवेक्षी निरीक्षण और बैठकों के कार्यवृत्त की समीक्षा के बाद कोई गड़बड़ी नहीं पाई। आरबीआई ने 19 मार्च को भी एक विज्ञप्ति जारी कर बैंक के आचरण या शासन में कोई महत्वपूर्ण चिंताजनक बात न होने की बात कही थी। यह पुष्टि बैंक के शेयर मूल्य में गिरावट के बाद निवेशकों की चिंताओं को दूर करने के उद्देश्य से की गई है।

बैंकिंग प्रणाली की मजबूती और नीतिगत रुख

गवर्नर मल्होत्रा ने भारत के बैंकिंग तंत्र को बहुत लचीला, सुरक्षित और मजबूत बताया। उन्होंने पश्चिम एशिया संघर्ष के बावजूद बैंकों के लाभ और स्वास्थ्य को लेकर किसी प्रणालीगत जोखिम से इन्कार किया। मल्होत्रा ने संकेत दिया कि देश में कम ब्याज दरों का माहौल लंबे समय तक बना रह सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि रुपये की अस्थिरता को नियंत्रित करने के लिए किए गए उपाय स्थायी नहीं होंगे।

ईरान पर हमले टले, वैश्विक बाजारों में राहत की लहर

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर संभावित हमले को दो हफ्तों के लिए टालने का फैसला किया है, जिससे वैश्विक बाजारों में राहत दिखी। इस घोषणा के बाद कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट आई और अमेरिकी शेयर बाजार में उछाल दर्ज हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर संभावित बड़े हमले को दो हफ्तों के लिए टालने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों के सुरक्षित गुजरने की अनुमति देता है, तो फिलहाल सैन्य कार्रवाई रोकी जा सकती है।

कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट : इस फैसले का असर तुरंत वैश्विक बाजारों पर दिखा। कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट आई है। अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत करीब 18% गिरकर लगभग 92.60 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई, जबकि ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 6% गिरकर 103.40 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। हालांकि, ये कीमतें अभी भी युद्ध शुरू होने से पहले के स्तर से ज्यादा हैं।

अमेरिकी शेयर बाजार में तेजी, निवेशकों में भरोसा : वहीं, अमेरिकी शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली। एसएंडपी 500 के फ्यूचर्स लगभग 2.4% ऊपर चले गए, जिससे निवेशकों में भरोसा बढ़ता नजर आया। बाजार को उम्मीद है कि अगर तनाव कम होता है, तो आर्थिक हालात भी स्थिर हो सकते हैं।

ट्रंप ने किया सीजफायर का एलान

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा एलान करते हुए कहा है कि ईरान पर होने वाले संभावित हमले और बमबारी को फिलहाल दो हफ्तों के लिए रोक दिया गया है। ट्रंप ने बताया कि यह एक 'दोनों तरफ से लागू होने वाला सीजफायर' होगा, यानी इस दौरान न अमेरिका हमला करेगा और न ही ईरान कोई आक्रामक कदम उठाएगा।

ट्राई का बड़ा प्रस्ताव: सस्ते कॉल-एसएमएस प्लान होंगे अनिवार्य

अब बिना डाटा वाले किफायती प्लान देना कंपनियों के लिए जरूरी

नई दिल्ली। दूरसंचार नियामक ने फोन कॉल और एसएमएस वाले सस्ते प्लान अनिवार्य करने का नया प्रस्ताव दिया है। इससे उपभोक्ता अब अनचाही डाटा सेवाओं के लिए भुगतान करने से बच सकेंगे। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने मंगलवार को टेलीकॉम कंपनियों को मोबाइल प्लान को लेकर नया प्रस्ताव दिया है। अब फोन कॉल और एसएमएस वाले सस्ते प्लान अनिवार्य किए जा सकते हैं। प्रस्ताव के अनुसार, टेलीकॉम ऑपरेटर्स को बिना डाटा वाला प्लान देना होगा। इनकी कीमत मौजूदा विशेष डाटा प्लान से कम होगी।

Telecom Regulatory Authority of India
TRAI

दूरसंचार नियामक क्यों लाया नया प्रस्ताव दूरसंचार नियामक ने कहा कि कंपनियां पहले भी ऐसे प्लान लाई थीं। लेकिन उनकी कीमत ज्यादा रखी गई। डाटा लाभ हटाने के बावजूद अनुपात में इन कीमतों को कम नहीं किया गया। नियामक ने कहा, पहले किए गए बदलाव का परिणाम संतोषजनक नहीं रहा है। इसी वजह से नया संशोधित प्रस्ताव लाया गया है। कंपनियों को अब हर वैधता अवधि के लिए फोन कॉल, एसएमएस और डाटा वाले प्लान के साथ सिर्फ कॉल और एसएमएस वाला प्लान भी देना होगा। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी। ग्राहकों को अनचाही सेवाएं लेने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा।

'डाटा न चाहने वाले उपभोक्ताओं को नहीं देने होंगे पैसे' ट्राई ने कहा कि जिन लोगों को डाटा की जरूरत नहीं है, उन्हें उसके लिए पैसे नहीं देने होंगे। इससे ग्राहकों को ज्यादा विकल्प मिलेंगे। कॉल और एसएमएस वाले प्लान डाटा वाले प्लान के बराबर उपलब्ध होंगे।

राशिफल

मेष: बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि मनोनुकूल लाभ देंगे।
वृष: नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी। शत्रुभय रहेगा।
मिथुन: बुद्धि का प्रयोग करें। चिंता रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट-कचहरी व सरकारी कार्यालयों में रुके कार्य मनोनुकूल रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
कर्क: धनहानि हो सकती है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट हो सकता है। जल्दबाजी व लापरवाही न करें। विवाद से क्लेश हो सकता है।
सिंह: जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। प्रेम-प्रसंग अनुकूल रहेंगे। कोर्ट-कचहरी व सरकारी कार्यालयों में अटके काम पूरे हो सकते हैं।
कन्या: शत्रु पस्त होंगे। प्रतिद्वंद्विता में कमी होगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभदायक रहेंगे।
तुला: परिवार के एकाधिक सदस्यों की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व रोग से कष्ट संभव है। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है।
वृश्चिक: पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं गुम हो सकती हैं, संभालकर रखें। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। भागदौड़ अधिक रहेगी।
धनु: किसी अनहोनी के होने की चिंता रहेगी। स्वास्?थ्य पर खर्च हो सकता है। पुराने किए गए प्रयासों का फल अब मिल सकता है।
मकर: घर में वृ?द्ध व्यक्तियों के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। ने?त्र पीड़ा हो सकती है। दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
कुंभ: व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी।
मीन: राज्य की तरफ से दिक्कत हो सकती है। विवाद करने व जल्दबाजी से बचें। नेत्र पीड़ा हो सकती है। स्वास्थ्य पर व्यय होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है।

चुटकुले

लड़का- तुम्हें मेरे अंदर सबसे अच्छी बात क्या लगती है?
लड़की- लोग समय के साथ बदल जाते हैं, पर तुम नहीं बदले।
लड़का- वो कैसे?
लड़की- जब मैं तुमसे मिली थी तब भी तुम बेरोजगार थे और आज भी बेरोजगार हो।

चिंटू- पापा क्या मैं बेकार हूं?
पापा- बेटा तू तो करोड़ों का है...
चिंटू- तो उसी करोड़ों में से 25000 रुपये देना, गोवा घूमने जाना है।
फिर पापा ने चिंटू पर की चप्पलों की बरसात कर दी और खूब धोया।

पिंटू ने दोस्त से कहा- एक जमाना था जब मैं 10 रुपए लेकर बाजार जाता था और किराना, सब्जी, दूध सब ले आता था।
चिंटू- अब जमाना बदल गया है, आजकल हर दुकान पर सीसीटीवी कैमरे लगे रहते हैं।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

09 04 2026 करंट क्राइम

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

सेलेब्रिटी जन्मदिन

स्वरा भास्कर (अभिनेत्री)

अर्चना राय

मधु गौरवामी

चतर सिंह

प्रवीण तोमर

अक्षित शर्मा

अजय गुप्ता

अरुणेश शर्मा

इमरान मलिक

संजीव त्यागी

हिमांशु बंसल

सूरज पंडित

विभोर अग्रवाल

नन्दलाल

अक्षित शर्मा

किरण पाल

पंकज कुमार

प्रवीण तोमर

रूप चंद

दीपक पारचा

शिवम राय

अभिषेक सिंह

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

09 April -26 page 5 08-04-2026 22:13 Page 1

राजस्थान रॉयल्स का दबदबा

अंक तालिका से लेकर ऑरेंज कैप और पर्पल कैप तक, हर जगह छाई गुलाबी जर्सी

आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स का दबदबा साफ नजर आ रहा है। टीम न सिर्फ अंक तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है, बल्कि बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में भी उसके खिलाड़ी छाए हुए हैं।

आईपीएल 2026 अंक तालिका

टीम	मैच	जीत	हार	बेनतीजा	अंक	NRR
राजस्थान रॉयल्स	3	3	0	0	6	+2.403
पंजाब किंग्स	3	2	0	1	5	+0.637
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	2	2	0	0	4	+2.501
दिल्ली कैपिटल्स	2	2	0	0	4	+1.170
सनराइजर्स हैदराबाद	3	1	2	0	2	+0.275
लखनऊ सुपर जाएंट्स	2	1	1	0	2	-0.542
मुंबई इंडियंस	3	1	2	0	2	-0.715
कोलकाता नाइट राइडर्स	3	0	2	1	1	-1.964
गुजरात टाइटंस	2	0	2	0	0	-0.424
चेन्नई सुपर किंग्स	3	0	3	0	0	-2.517

गुवाहाटी। आईपीएल 2026 का 13वां मुकाबला गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और मुंबई इंडियंस के बीच खेला गया। इस मैच में आरआर ने मुंबई इंडियंस को 27 रन से हराकर अंकतालिका में शीर्ष पर अपना स्थान बरकरार रखा है। आइए अंकतालिका पर नजर डालते हैं।

राजस्थान रॉयल्स तीन मैचों में तीन जीत के साथ छह अंक लेकर पहले स्थान पर है। पंजाब किंग्स तीन मैचों में दो जीत और एक रद्द मैच से पांच अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु दो मैचों में दो जीत के साथ चार अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। दिल्ली कैपिटल्स दो मैचों में दो जीत के साथ चार अंक लेकर चौथे स्थान पर है।

आईपीएल 2026: अब तक सबसे ज्यादा रन

खिलाड़ी	मैच	रन	स्ट्राइक रेट	चौके	छक्के
यशस्वी जायसवाल	3	170	163.46	19	8
समीर रिजवी	2	160	163.27	12	11
हेनरिक क्लासेन	3	145	147.96	11	4
वैभव सूर्यवंशी	3	122	248.98	10	11
रोहित शर्मा	3	118	168.57	11	7

सनराइजर्स हैदराबाद तीन मैचों में एक जीत और दो हार के बाद दो अंक के साथ पांचवें स्थान पर है। एलएसजी दो मैचों में एक जीत और एक हार के साथ दो अंक लेकर छठे स्थान पर है। मुंबई इंडियंस तीन मैचों में एक जीत और दो हार के साथ दो अंक लेकर सातवें स्थान पर है।

कोलकाता नाइट राइडर्स तीन मैचों में दो हार और एक रद्द मैच से मिले एक अंक लेकर आठवें स्थान पर है। गुजरात टाइटंस ने अपने दोनों मैच गंवाए हैं और नौवें स्थान पर है, जबकि सीएसके अपने तीन मैच गंवाकर दसवें स्थान पर है।

15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने कैसे बदली ताजपुर की पहचान? बने बिहार के सपनों का नया चेहरा

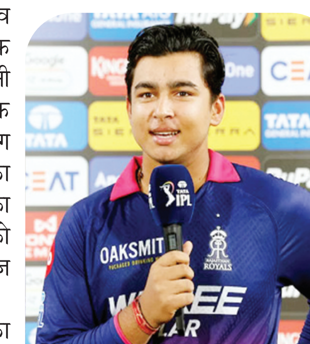

नई दिल्ली। बिहार के छोटे से गांव ताजपुर से निकलकर आईपीएल तक पहुंचने वाले वैभव सूर्यवंशी की कहानी सिर्फ एक प्रतिभा की नहीं, बल्कि उनके पिता के संघर्ष, जुनून और त्याग की भी है। सैकड़ों किलोमीटर का सफर, कठिन ट्रेनिंग और परिवार का समर्पण, इन सबने मिलकर वैभव को एक मजबूत और निडर बल्लेबाज बनाया है।

बिहार के समस्तीपुर जिले का छोटा सा कस्बा ताजपुर, जहां आज भी जिंदगी की रफ्तार चाय के कपों में मापी जाती है, अब भारतीय क्रिकेट के नक्शे पर उभरता हुआ नाम बन चुका है। कभी शांत और साधारण रहा यह इलाका अब एक नई पहचान से जाना जाता है- वैभव सूर्यवंशी का घर। पेड़ों से घिरी सड़कों, खेतों और छोटे-छोटे घरों के बीच पला-बढ़ा यह लड़का आज लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुका है। मंगलवार को जब वैभव ने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के एक ओवर में दो छक्के लगाए तो सब हैरान रह गए। वैभव को हमेशा से स्पेशल टैलेंट कहा जाता रहा है, लेकिन मंगलवार को उन्होंने इसे साबित भी किया। इस आईपीएल में वैभव को लेकर जो क्रेज है, शायद ही वैसा क्रेज किसी और को खेलते देखने के लिए है। **पिता का अधूरा सपना, बेटे ने किया पूरा:** वैभव सूर्यवंशी की कहानी उनके पिता संजीव सूर्यवंशी के बिना अधूरी है। संजीव खुद क्रिकेटर बनना चाहते थे, लेकिन उस दौर में बिहार को बीसीसीआई से मान्यता नहीं मिलने के कारण उनका सपना अधूरा रह गया। संजीव ने अपने संघर्ष के दिनों में मुंबई का रुख किया। वहां उन्होंने शिपिंग यार्ड में काम किया, पोर्ट पर मेहनत की और कभी-कभी नाइट क्लब में बाउंसर तक बने।

उनके एक करीबी राजेश झा ने क्रिकेट मंथली को बताया, 'वैभव के पिता को एक्टिंग का भी शौक था, लेकिन जिंदगी चलाने के लिए उन्हें कई तरह के काम करने पड़े।' करीब एक दशक तक संघर्ष करने के बाद संजीव वापस ताजपुर लौट आए और पारिवारिक ज्वेलरी की दुकान संभालने लगे, लेकिन क्रिकेट के प्रति उनका जुनून कभी कम नहीं हुआ।

100 किलोमीटर साइकिल और जुनून की मिसाल

संजीव के क्रिकेट प्रेम का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वह अपने किशोर दिनों में हर साल 100 किलोमीटर साइकिल चलाकर पटना जाते थे, सिर्फ एक टूर्नामेंट का फॉर्म लेने के लिए। यही जुनून उन्होंने अपने बेटे में भी उतारा।

चार साल की उम्र में हाथ में थमा बल्ला: वैभव को उनके चौथे जन्मदिन पर पहली बार बैट दिया गया। तभी से उनके खेल में कुछ अलग नजर आने लगा था। 2018 के आसपास जब उनकी प्रतिभा खुलकर सामने आई, तो संजीव ने फिर से वही संघर्ष शुरू किया, लेकिन इस बार बेटे के लिए। संजीव ने एक सेकंड-हैंड एसयूवी खरीदी और हर दूसरे दिन ताजपुर से पटना के बीच 200 किलोमीटर का सफर तय करना शुरू किया।

वैभव का खौफ! बुमराह जैसे दिग्गज भी हुए सावधान, स्टेन बोले- गेंदबाजों में डर बैठ गया है

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में वैभव सूर्यवंशी का धमाकेदार प्रदर्शन चर्चा में है। पूर्व दिग्गज डेल स्टेन का मानना है कि वैभव ने गेंदबाजों के मन में डर बैठा दिया है, यहां तक कि जसप्रीत बुमराह जैसे गेंदबाज भी दबाव में नजर आए।

राजस्थान रॉयल्स के युवा ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में ऐसा खेल दिखाया कि क्रिकेट जगत हैरान रह गया। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने गेंदबाजों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना दिया है। पूर्व दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने भी इस बात को माना। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उसने यही किया है। उसने गेंदबाजों के मन में डर पैदा कर दिया है कि वह आपको बाउंड्री के लिए मार सकता है।'

बुमराह पर भी दिखा दबाव

स्टेन के मुताबिक, वैभव के डर का असर जसप्रीत बुमराह जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज पर भी दिखा। उन्होंने कहा, 'बुमराह की वह गेंद फुलटॉस जैसी थी, जो उनके लिए बेहद दुर्लभ है। शायद उनके दिमाग में चल रहा था कि अगर गलती हुई तो यह लड़का छक्का मार देगा।'

स्टेन ने आगे समझाया कि जब गेंदबाज इस तरह सोचने लगते हैं, तो गलतियां बढ़ जाती हैं। उन्होंने कहा, 'अगर आप ऐसा सोचते हैं, तो अक्सर आप गलती कर बैठते हैं। और यही हुआ, जैसे ही गेंद गलत पड़ी, वैभव ने उसे छक्के के लिए भेज दिया।'

निडर बल्लेबाजी ही ताकत

स्टेन ने वैभव की सबसे बड़ी ताकत उनकी निडरता को बताया। उन्होंने कहा, 'यह बच्चा किसी से नहीं डरता। अगर आप हाफ-वॉली डालेंगे, तो वह गेंद को स्टेडियम के बाहर भेज देगा, चाहे आप बुमराह हों या कोई और।'

मैच में क्या हुआ?

इस मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई इंडियंस को 27 रन से हराया। यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी ने 80 रन की तेज साझेदारी की। वैभव ने 14 गेंदों पर 39 रन बनाए, जिसमें बुमराह के खिलाफ दो छक्के शामिल थे। वैभव सूर्यवंशी अब सिर्फ एक युवा खिलाड़ी नहीं, बल्कि गेंदबाजों के लिए चुनौती बन चुके हैं। उनका आत्मविश्वास और आक्रामक अंदाज उन्हें खास बनाता है।

विपक्षी टीमों के मैदान पर हार ने किया मुंबई का हाल बेहाल, पिछले 25 मैचों में सिर्फ 36% मुकाबले जीते

गुवाहाटी। यह राजस्थान रॉयल्स के इतिहास में तीसरी बार है जब टीम ने आईपीएल सीजन की शुरूआत लगातार तीन या उससे ज्यादा जीत के साथ की है। वहीं, मुंबई इंडियंस का अवे ग्राउंड पर रिकॉर्ड पिछले चार सीजन में बेहद खराब रहा है। मुंबई को अगर प्लेऑफ में पहुंचना है तो अवे मुकाबले जीतने होंगे।

आईपीएल में मुंबई इंडियंस (एमआई) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) दो ऐसी टीमें हैं जिनके पास पांच-पांच बार खिताब जीतने का रिकॉर्ड है। फिलहाल ये दोनों ही टीमें बुरे दौर से गुजर रही हैं। सीएसके की बात फिर कभी, इस लेख में हम मुंबई इंडियंस की बात करेंगे जिसके लिए आईपीएल 2023 से विपक्षी टीमों का घरेलू मैदान किसी बुरे स्वप्न से कम नहीं रहा है।

मुंबई को राजस्थान ने गुवाहाटी में हराया: आईपीएल 2026 में मंगलवार को मुंबई इंडियंस का सामना राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से था। एमआई इस मैच के लिए आरआर के दूसरे होम ग्राउंड गुवाहाटी पहुंची थी। बारिश की वजह से मैच मात्र 11-11 ओवरों का हुआ। आरआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बता दिया कि एमआई उनके सामने कहीं नहीं है। टॉस गंवाने के बाद आरआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए यशस्वी जायसवाल के 32 गेंदों पर नाबाद 77 और वैभव सूर्यवंशी के 14 गेंदों पर 39 रन की मदद से तीन विकेट पर 150 रन बनाए। एमआई नौ विकेट पर 123 रन बना सकी और मैच 27 रन से हार गई।

विपक्षी टीमों के घर में यह निराशाजनक प्रदर्शन एमआई के लिए अब नया नहीं रह गया है। आईपीएल 2023 से विपक्षी टीमों के घरेलू मैदान पर एमआई लगातार फिसड्डी साबित हो रही है। विपक्षी टीमों के मैदान एमआई के लिए बुरा सपना साबित हो रहे हैं। आईपीएल 2023 से आईपीएल 2026 में सात अप्रैल को आरआर के खिलाफ हुए मैच तक एमआई ने कुल 25 मुकाबले विपक्षी टीमों के मैदान पर खेले हैं। इसमें 16 मैचों में एमआई को हार का सामना करना पड़ा है, जबकि नौ मैचों में जीत मिली है। पांच बार खिताब जीत चुकी मुंबई का 2023 से विपक्षी टीम के मैदान में जीत का प्रतिशत मात्र 36 है, जो किसी भी टीम के मुकाबले सबसे खराब है। यह राजस्थान रॉयल्स के इतिहास में तीसरी बार है जब टीम ने आईपीएल सीजन की शुरूआत लगातार तीन या उससे ज्यादा जीत के साथ की है। इससे पहले टीम ने 2015 में लगातार पांच मैच जीते थे, जबकि 2024 में चार मैचों की जीत की लय के साथ अभियान शुरू किया था।

राजस्थान की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर

आईपीएल 2026 में एमआई ने अब तक तीन मैच खेले हैं। इसमें एकमात्र जीत उन्हें केकेआर के खिलाफ अपने होम ग्राउंड वानखेड़े स्टेडियम में मिली है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम और आरआर के खिलाफ बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में एमआई को हार का सामना करना पड़ा है। आईपीएल 2026 में तीन मैचों में दो हार और एक जीत के साथ एमआई अंकतालिका में सातवें स्थान पर है। वहीं, राजस्थान ने लगातार तीन जीत और छह अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया है। उसका नेट रन रेट +2.403 है।

CWG में स्वर्ण के दावेदार साईराज मिले पॉजिटिव, चार महीने पहले की थी कोच की शिकायत

नई दिल्ली। बीते वर्ष राष्ट्रमंडल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में कई रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण जीतने वाले साईराज परदेसी डोपिंग में फंस गए हैं। इससे चार महीने पहले उन्होंने साजिश की आशंका जताई थी। अहमदाबाद में बीते वर्ष राष्ट्रमंडल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में कई रिकॉर्ड के साथ महाराष्ट्र के साईराज परदेसी ने स्वर्ण जीता तो खेल मंत्रालय से लेकर भारतीय वेटलिफ्टिंग महासंघ की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। साईराज का प्रदर्शन ही ऐसा था। उन्होंने 88 किलो भार वर्ग में कुल 348 किलो वजन उठाया था। देश में इस भार में इससे अच्छा प्रदर्शन कभी नहीं हुआ था वह इस वर्ष ग्लास्गो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण का दावेदार बन गए थे, लेकिन यह प्रदर्शन साईराज के लिए मुसीबत बन गया। खेल मंत्रालय और साई को की शिकायत के मुताबिक साईराज को पता लगा कि उन्हें डोप में फंसाने की साजिश रची जा रही है। आरोप के मुताबिक, इस साजिश के पीछे कोई और नहीं बल्कि कैंप में शामिल कोच थीं। साईराज ने इसके बाद मंत्रालय, साई, वेटलिफ्टिंग महासंघ को कोच के खिलाफ डोप में फंसाए जाने की शिकायत की। आननफानन महासंघ ने जांच बिठा दी। शिकायत किए हुए लगभग चार माह हुए थे। जांच पूरी भी नहीं हुई थी कि साईराज नाडा के आउट ऑफ कंपटीशन टेस्ट में डोप में फंस गए। उनके सैंपल में स्टेरायड मेस्टोनेलॉन पाया गया है।

अर्जेंटीना दौरे के लिए भारतीय महिला टीम की घोषणा

सविता-दीपिका की वापसी के अलावा किन्हें मिला मौका

नई दिल्ली। अर्जेंटीना के आगामी दौरे के लिए हॉकी इंडिया ने भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा की है।

हॉकी इंडिया ने अर्जेंटीना के आगामी दौरे के लिए 24 सदस्यों वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा की है। घोषित टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही युवाओं को भी जगह दी गई है। 13 से 17 अप्रैल तक 4 मैचों की यह सीरीज ब्यूनस आयर्स में खेली जाएगी। हॉकी विश्व कप और एशियन गेम्स को देखते हुए यह दौरा काफी अहम है।

टीम की कप्तान अनुभवी मिडफील्डर सलीमा टेटे हैं। सबसे ज्यादा बेसब्री से फॉरवर्ड दीपिका की वापसी का इंतजार है, जो रिहैब के बाद वापस आ रही हैं। उनकी वापसी से मुख्य कोच खास तौर पर खुश हैं, क्योंकि दीपिका भारत की मेन ड्रैग-फ्लिकर के तौर पर अपनी भूमिका फिर से शुरू कर रही हैं। अनुभवी दीपिका की वापसी से भारतीय टीम अब ज्यादा संतुलित दिख रही है। उनकी गैरमौजूदगी में, नवनीत कौर, मनीषा चौहान, उदिता और अन्नू जैसी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। खास तौर पर, अन्नू ने क्वालिफायर के दौरान अपनी शानदार ड्रैग-फ्लिकिंग स्किल्स दिखाईं।

पिछले एक साल में, नवनीत कौर ने खुद को भारतीय महिला हॉकी में एक अहम खिलाड़ी के तौर पर स्थापित किया है और आने वाले एक अहम सीजन के लिए भारत की तैयारियों में अहम भूमिका निभाएंगी। भारत की अनुभवी गोलकीपर और भारतीय हॉकी की सबसे बेहतरीन गोलकीपरों में से एक, सविता, हाल के क्वालिफायर में नहीं खेल पाने के बाद भी टीम में वापस आ गई हैं। उनकी वापसी सही समय पर हुई है। अर्जेंटीना की टीम भारतीय डिफेंस को पूरी तरह से परखेगी। उस चुनौती का सामना करने के लिए सविता बेहतर विकल्प हैं। हालांकि, सविता की गैरमौजूदगी में क्वालिफायर में बिचू देवी ने बतौर गोलकीपर शानदार प्रदर्शन किया था।

युवा गोलकीपर ने अपनी उम्र से अधिक परिपक्वता और शांति दिखाई थी, जिससे यह पक्का हो गया कि भारत के पास अब गोलकीपिंग में मजबूती है। सविता के साथ उनकी लगातार मौजूदगी गोलकीपर की पोजिशन के लिए प्रतियोगिता को बढ़ावा देती है।

डिफेंडर ज्योति और फॉरवर्ड मुमताज खान, जो दोनों क्वालिफायर में नहीं खेल पाई थीं, उनकी टीम में वापसी हुई है। बलजीत कौर पिछले एक साल में भारतीय हॉकी के लिए एक अहम परफॉर्मर रही हैं। उन्होंने लगातार अपनी गति और अंदाज से विपक्षी टीमों पर दबाव बनाया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को गोल करने वाली एक भरोसेमंद एथलीट के रूप में साबित किया है। उनका टीम में लगातार होना कोचिंग स्टाफ में उनके लगातार भरोसे को दिखाता है। मिडफील्डर वैष्णवी विट्ठल फाल्के ने पिछले एक साल में शानदार प्रदर्शन किया है। उनके भरोसेमंद खेल ने उन्हें टीम का भरोसेमंद और पसंदीदा खिलाड़ी बना दिया है। रुतुजा दादासो पिसल, इशिका और साक्षी राणा भारतीय महिला हॉकी की तीन सबसे प्रतिभावान खिलाड़ी हैं। अपने अंतरराष्ट्रीय डेब्यू के बाद से, उन्होंने अपनी तकनीकी क्षमता और आत्मविश्वास से प्रभावित किया है। अर्जेंटीना जैसे मुश्किल विपक्षी के खिलाफ उनका प्रदर्शन देखना काफी अहम होगा। टीम की घोषणा के बाद मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, 'यह टूर हमारे लिए खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर देने और अर्जेंटीना जैसे बहुत मजबूत विपक्षी के खिलाफ उनकी क्षमता को जांचने का एक कीमती मौका है।

'हम गलतियों से सीखेंगे और प्रतिष्ठा वापस लाएंगे'

बीसीबी के नए अध्यक्ष तमीम इकबाल का एलान

मीरपुर। बांग्लादेश क्रिकेट में हालिया चुनावी विवाद के बाद नए अध्यक्ष तमीम इकबाल ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि बोर्ड अपनी गलतियों से सीखकर आगे बढ़ेगा और खोई हुई प्रतिष्ठा को वापस लाने की पूरी कोशिश करेगा। तमीम ने पारदर्शिता, सुधार और विश्वास बहाली को अपनी प्राथमिकता बताया, जिससे बांग्लादेश क्रिकेट को नए सिरे से मजबूत किया जा सके।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के नए अध्यक्ष तमीम इकबाल ने मंगलवार को मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में बोर्ड की एड-हॉक कार्यकारी कमेटी के साथ अपनी पहली आधिकारिक बैठक की। तमीम इकबाल ने नई बनी एड-हॉक कमेटी से मिलने के बाद मीडिया से बात करते हुए बोर्ड की विश्वसनियता को वापस लाने की जरूरत पर जोर दिया।

'मिलकर प्रतिष्ठा वापस लानी होगी'

इकबाल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'मुझे यकीन है कि आप सभी समझते हैं कि पिछले डेढ़ साल में क्रिकेट की प्रतिष्ठा को जो नुकसान हुआ है, उसे मिलकर ठीक करना होगा।' उन्होंने कहा कि बांग्लादेश क्रिकेट में फिर से गर्व जगाने की मिली-जुली जिम्मेदारी निभानी होगी। हम अच्छा प्रदर्शन करें या न करें, इस पर आलोचना होगी, लेकिन यहां कोई नहीं चाहता कि क्रिकेट अभी अपने सबसे बुरे दौर में रहे।

हम हमेशा चाहते हैं कि क्रिकेट गर्व का जरिया बने। जो लोग बीसीबी में काम करते हैं या कर चुके हैं, उन्हें यह कहते हुए गर्व होना चाहिए कि वे यहां काम करते हैं। मुझे नहीं पता कि पिछले डेढ़ साल में जो हुआ उसे कैसे देखा जाए, लेकिन हमें अपने पुराने गौरव को वापस लाना होगा।

तमीम बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व करेंगे

इकबाल ने कहा, 'हम जाहिर तौर पर रोजाना की गतिविधियों पर भी ध्यान देंगे। आप जानते हैं, विश्व कप के मुद्दे भी हैं।

हम हर चीज के बारे में जो भी जरूरी होगा, करेंगे।' एड-हॉक सदस्य तंजिल चौधरी ने बताया कि तमीम आने वाली आईसीसी बैठकों में बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

'जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाएंगे'

नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल ने एड-हॉक कमेटी को 90 दिनों के अंदर चुनाव कराने का काम सौंपा है, तमीम ने कहा कि वे इस जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाएंगे। हमें तीन महीने के अंदर एक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी दी गई है। हम यह काम पूरी ईमानदारी से और जितनी जल्दी हो सके, करेंगे। हालांकि तमीम खुद इनावों में हिस्सा लेंगे या नहीं इस पर उन्होंने कुछ नहीं कहा।

'कमेटी रोजाना के कामों का भी प्रबंधन करेगी'

तमीम ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान सबको साथ लेकर चलने की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि यह एक बोर्ड चुनाव होगा, जिसमें मौजूदा बोर्ड सदस्य, खिलाड़ी और आयोजक शामिल होंगे, सभी को हिस्सा लेना चाहिए। हमारा मकसद ऐसा माहौल बनाना है जहां हर कोई चुनाव में हिस्सा ले सके। चुनावों की देखरेख के साथ-साथ, कमेटी रोजाना के कामों का भी प्रबंधन करेगी।

'बेहतर के लिए बदलेंगे'

तमीम ने कहा, 'खिलाड़ियों का सम्मान होना चाहिए, और हर स्टेकहोल्डर का सम्मान होना चाहिए। यह हमारा पहला काम होगा। हम सिर्फ बातों में नहीं, बल्कि बेहतर के लिए बदलेंगे। हम गलतियां करेंगे, और हमारी टीम भी गलतियां कर सकती है, लेकिन हम उनसे सीखेंगे और कोशिश करते रहेंगे। यही हमारा मुख्य लक्ष्य है।'

आयुष शेट्टी का धमाका, वर्ल्ड नंबर-सात फेंग को सीधे गेम में चटाई धूल

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए वर्ल्ड नंबर-सात ली शी फेंग को हराकर बड़ा उलटफेर किया। इस जीत के साथ उन्होंने दूसरे दौर में जगह बना ली, जबकि अन्य भारतीय खिलाड़ियों ने भी मिश्रित प्रदर्शन किया।

भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी ने चीन के वर्ल्ड नंबर-सात ली शी फेंग को हराकर बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में शानदार शुरूआत की। निंगबो में खेले गए इस मुकाबले में आयुष ने सीधे गेम में 21-13, 21-16 से जीत दर्ज की। 51 मिनट तक चले इस मैच में भारतीय खिलाड़ी पूरी तरह हावी नजर आए।

पहली भिड़ंत में ही दिखाया दम

यह आयुष और ली शी फेंग के बीच पहला मुकाबला था, लेकिन अनुभव की कमी के बावजूद भारतीय खिलाड़ी ने कोई दबाव नहीं दिखाया। 2023 ऑल इंग्लैंड ओपन चैंपियन फेंग के खिलाफ इस जीत ने आयुष को एक बड़े स्टार के रूप में उभारा है।

अब क्वार्टरफाइनल की ओर नजर

इस जीत के बाद आयुष शेट्टी अब अगले दौर में चीनी ताइपे के ची यू जेन से भिड़ेंगे। यह मुकाबला उनके लिए क्वार्टरफाइनल का टिकट तय करेगा। यह पहली बार नहीं है जब आयुष ने किसी बड़े खिलाड़ी को हराया हो। इससे पहले उन्होंने यूएस ओपन में वर्ल्ड नंबर-छह चोउ तिएन-चेन को हराकर सभी को चौंका दिया था और बाद में खिताब भी अपने नाम किया था।

मिक्स्ड डबल्स में भारत की जीत

भारत की टॉप मिक्स्ड डबल्स जोड़ी ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्तो ने भी शानदार शुरूआत की। उन्होंने थाईलैंड की जोड़ी को 21-14, 11-21, 21-15 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। हालांकि, सभी भारतीय खिलाड़ियों के लिए दिन अच्छा नहीं रहा। अशित सूर्या और अमृता प्रमुथेश को हार का सामना करना पड़ा। वहीं रोहन कपूर और गड्डे रुथविका शिवानी की जोड़ी भी बाहर हो गई।

गाजियाबाद आसपास

पराली जलाई तो जेब होगी खाली होगी सख्त कार्रवाई

गाजियाबाद में प्रशासन सख्त–30 हजार रुपए तक जुर्माना निगरानी के लिए हर स्तर पर सेल गठित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। फसल अवशेष (पराली) जलाने से बढ़ते प्रदूषण पर सख्त रुख अपनाते हुए जिला प्रशासन ने कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने स्पष्ट किया है कि अब पराली जलाने पर न केवल भारी जुर्माना लगाया जाएगा, बल्कि जिम्मेदार अधिकारियों पर भी कार्रवाई तय होगी। जनपद स्तर से लेकर ग्राम पंचायत तक निगरानी के लिए विशेष सेल और सचल दस्ते सक्रिय कर दिए गए हैं। प्रशासन के अनुसार प्रत्येक ग्राम प्रधान और लेखपाल को अपने क्षेत्र में पराली जलाने की घटनाएं रोकने की जिम्मेदारी दी गई है।

किसी भी घटना पर तुरंत मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की जाएगी। सेटेलाइट निगरानी, व्हाट्सएप ग्रुप और उड़न दस्तों के माध्यम से चौबीसों घंटे नजर रखी जाएगी। पराली जलाने को राष्ट्रीय हरित अधिकरण और सर्वोच्च न्यायालय ने दंडनीय अपराध माना है। अब केंद्र सरकार के संशोधित प्रावधानों के अनुसार जुर्माना दोगुना कर दिया गया है– 2 एकड़ से कम परः 5,000 रुपए, 2 से 5 एकड़ तकः 10,000 रुपए, 5 एकड़ से अधिक परः 30,000 रुपए। इसके अलावा बार-बार उल्लंघन करने पर और सख्त कार्रवाई, अतिरिक्त अर्थदंड और कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। अब बिना सुपर स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम के कोई भी कम्बाइन हार्वेस्टर खेत में नहीं चल सकेगा।

नियम तोड़ने पर मशीन को तुरंत सीज कर दिया जाएगा और मालिक को अपने खर्च पर सिस्टम लगवाना होगा। प्रशासन ने किसानों को पराली न जलाने के लिए कई विकल्प भी दिए हैं– इन-सीटू प्रबंधन के तहत हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, मल्चर जैसे यंत्रों पर 50% तक अनुदान मिलेगा, जबकि कस्टम हायरिंग सेंटर पर 80% तक सब्सिडी दी जाएगी। वहीं एक्स-सीटू प्रबंधन के तहत पराली को गौशालाओं में चारे, बिछावन या कम्पोस्ट बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे खेत की उर्वरता भी बढ़ेगी।

प्रशासन द्वारा स्कूलों, ग्राम पंचायतों और गोष्ठियों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। रैलियां, प्रभात फेरियां और किसान बैठकों के जरिए बताया जाएगा कि पराली जलाने से मिट्टी की गुणवत्ता, पर्यावरण और स्वास्थ्य पर कितना गंभीर असर पड़ता है।

जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि इस अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता पर लागू किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि जनपद में पराली या कूड़ा जलाने की कोई घटना न हो। स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई तय है।

वृंदावन गार्डन में वाल्मीकि समाज की बड़ी बैठक

बृजेश पाठक, बालयोगी उमेशनाथ महाराज और प्रदीप चौहान वाल्मीकि ने रखा सशक्त दृष्टिकोण

लखनऊ, करंट क्राइम। अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में राजधानी लखनऊ के वृंदावन गार्डन में प्रदेशभर के वाल्मीकि समाज की एक विशाल बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम का आयोजन जिला महानगर लखनऊ इकाई के नेतृत्व में प्रताप सिंह 'पापा' द्वारा किया गया, जिसमें विभिन्न जनपदों से सैकड़ों कार्यकर्ताओं और समाज के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बृजेश पाठक तथा राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ महाराज उपस्थित रहे। अध्यक्षता अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप चौहान वाल्मीकि ने की, जबकि संचालन जिला अध्यक्ष बंटी वाल्मीकि ने किया।

बैठक को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि वाल्मीकि समाज सनातन परंपरा का आधार है। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि की रामायण को आदर्श जीवन का मार्गदर्शक बताते हुए कहा कि सामाजिक, राजनीतिक और नैतिक मूल्यों की प्रेरणा इसी से मिलती है। राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ महाराज ने अपने संबोधन में समाज को शिक्षा के प्रति जागरूक होने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि 'वाल्मीकि समाज को अपनी ताकत पहचाननी होगी, शिक्षा ही उन्नति का सबसे बड़ा माध्यम है।' कार्यक्रम में लखनऊ की महापौर सुषमा खर्गवाल, भाजपा महानगर अध्यक्ष प्रताप प्रशांत द्विवेदी, अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य सरदार हरप्रीत सिंह और भाजपा प्रदेश मंत्री अमित वाल्मीकि ने भी अपने विचार रखे। वक्ताओं ने वाल्मीकि समाज को संगठित होकर सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रदीप चौहान वाल्मीकि ने कहा कि सरकार द्वारा समाज के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं, लेकिन समाज को भी संगठित होकर अपनी दिशा तय करनी होगी।

उन्होंने कहा कि वाल्मीकि समाज आज सरकार की प्राथमिकता में है। कार्यक्रम में बहराइच, गोंडा, बांदा, चित्रकूट, कानपुर, कानपुर देहात, अलीगढ़, रायबरेली, झांसी सहित कई जनपदों से आए प्रतिनिधियों ने भागीदारी की। अंत में चार सूत्रीय मांग पत्र उपमुख्यमंत्री को सौंपा गया, जिसमें राजनीतिक भागीदारी सहित अन्य प्रमुख मुद्दे शामिल रहे।

कांग्रेस ने किया सरकार पर जबरदस्त वार

कहा- अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर ने भारत की विदेश नीति को कर दिया एक्सपोज

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। अमेरिका–इसराइल और ईरान के बीच सीजफायर में पाकिस्तान की भूमिका को लेकर कांग्रेस ने मोदी सरकार की विदेश नीति को आड़े हाथों लिया है। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में मोदी सरकार की विदेश नीति पूरी तरह विफल रही है। एक ऐसे देश ने ईरान और अमेरिका के बीच जारी लड़ाई को खत्म करने का श्रेय लिया है, जिसका अंतरराष्ट्रीय राजनीति में कोई महत्व नहीं था लेकिन दोनों पक्षों ने उस पर भरोसा जताते हुए युद्ध विराम यानी सीजफायर को लेकर उसके प्रस्तावों को गौर फरमाया है।

जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा ने कहा कि भारत की विदेश नीति कहां रह गई। विदेश नीति में कहां चूक हो गई कि जो भूमिका भारत को निभानी चाहिए थी वह भूमिका पाकिस्तान निभा रहा है। मध्य पूर्व में जारी जंग पर अब 14 दिनों का सीजफायर हो गया है अगर यह सीज फायर 14 दिनों तक बरकरार रहता है तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की भूमिका महत्व हो जाएगी। सतीश शर्मा ने कहा कि भारत सरकार और विदेश मंत्रालय को इस पर अपनी प्रतिक्रिया देनी चाहिए। विदेश मंत्री एस जयशंकर यह कहकर अपना पल्ला नहीं झाड़ सकते कि पाकिस्तान की तरह भारत दलाली नहीं कर सकता। जयशंकर से जब पाकिस्तान की भूमिका के बारे में सवाल किया गया था तो उन्होंने यह बात कही थी कि पाकिस्तान की तरह भारत दलाली नहीं कर सकता लेकिन इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि अगर पाकिस्तान दोनों पक्षों के बीच शांति लाने में कामयाब रहता है तो आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में उसकी भूमिका बढ़ाने वाली है। अब पाकिस्तान को कोई भी देश हल्के में नहीं ले सकता है।

कांग्रेस नेता व पूर्व मंत्री सतीश शर्मा ने कहा कि मिडिल ईस्ट जंग में भारत की विदेश नीति पूरी तरह विफल रही है। प्रधानमंत्री मोदी की इजरायल यात्रा के अगले दिन ही युद्ध शुरू हो गया लेकिन उन्होंने इस पर कोई कमेंट नहीं किया। होर्मुज जलडमरू मध्य को लेकर भी भारत को तरजीह नहीं दी गई है। विदेश मंत्रालय ने इस बात का ढोल पीटता रहा कि भारत के जहाजों को होर्मुज से आने की छूट दी गई। लेकिन सिर्फ भारत ही नहीं पांच अन्य देशों को भी होर्मुज से छूट दी गई। इनमें पाकिस्तान और इराक भी शामिल है। अगर पाकिस्तान को ईरान ने होर्मुज जलडमरू मध्य से आने की छूट दी है तो इसमें भारत की विदेश नीति की सफलता कहां है। दूसरी बात इस जंग के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कभी भी भारत को महत्व नहीं दिया बल्कि वह युद्ध विराम को लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और वहां के सेना अध्यक्ष से बात करते रहे।

भारत की विदेश नीति में बदलाव आने के कारण मध्य पूर्व एशिया के देशों ने भी भारत को ज्यादातर तरजीह नहीं दी है। कांग्रेस प्रवक्ता आशुतोष गुप्ता ने कहा कि एक समय होता था जब भारत की बातों को विश्व स्तर पर सुना जाता था। चाहे इंदिरा गांधी का समय हो या फिर राजीव गांधी या डॉक्टर मनमोहन सिंह का समय भारत की विदेश नीति हमेशा सभी देशों को साथ लेकर चलने की हुआ करती थी।

आज भारत को ना तो अमेरिका महत्व दे रहा है और ना ही ईरान। जो भूमिका भारत को निभानी चाहिए थी वह भूमिका पाकिस्तान निभा रहा है। आशुतोष गुप्ता ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध और उसके बाद युद्ध विराम ने भारत की विदेश नीति को एक्सपोज कर दिया है।

भारत भारत का इजरायल के प्रति जरूर से ज्यादा झुकाव मिडिल ईस्ट के मुस्लिम देशों को भारत से दूर कर रहा है सरकार इस और ध्यान नहीं दे रही है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि ईंधन के लिए अब भी भारत मध्य पूर्व के देशों पर निर्भर है। होर्मुज को बंद करने के दौरान एलपीजी गैस की कमी ने हमारी विदेश नीति की कमियों को उजागर कर दिया है।

अगर भारत का इजरायल के प्रति इतना ही झुकाव रहा है तो फिर इसराइल ने भारत की मदद क्यों नहीं की। उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति के कारण ही देश को एलजी संकट से गुजरना पड़ा।

डॉग कैचिंग वैन के शुभारंभ से एबीसी अभियान को मिलेगी रफ्तार, विजयनगर जोन को मिली नई सुविधा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा निराश्रित कुत्तों की समस्या के समाधान के लिए चलाए जा रहे एनिमल बर्थ कंट्रोल अभियान को और गति देने के उद्देश्य से नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक एवं विजयनगर जोन के पार्षदों ने निगम मुख्यालय में नई डॉग कैचिंग वैन का शुभारंभ किया। यह वैन विशेष रूप से विजयनगर जोन को समर्पित की गई है, जिससे क्षेत्र में डॉग कैचिंग कार्य और अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा।

इस अवसर पर उपमुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ. अनुज, मुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ. आशीष त्रिपाठी, पार्षद कन्हैया, देवनारायण शर्मा, भारत गौतम, संतोष सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। नगर आयुक्त ने बताया कि इससे पहले निगम के पास कुल 4 डॉग कैचिंग वैन उपलब्ध थीं, जिनके माध्यम से रोस्टर के अनुसार निराश्रित कुत्तों को पकड़ने का कार्य किया जाता था। अब नई वैन के शामिल होने से प्रत्येक जोन में अलग-अलग डॉग कैचिंग वैन उपलब्ध कराई जा सकेगी, जिससे अभियान में तेजी आएगी और कार्य अधिक व्यवस्थित ढंग से संचालित होगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि नई वैन को विजयनगर जोन में तत्काल प्रभाव से संचालित किया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को डॉग संबंधी समस्याओं से शीघ्र राहत मिल सके।

पार्षदों ने इस पहल के लिए नगर आयुक्त का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र में आवारा कुत्तों की समस्या पर नियंत्रण पाने में मदद मिलेगी। वहीं, डॉ. अनुज ने जानकारी दी कि यह डॉग कैचिंग वैन कोटक बैंक के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (उरफ) के तहत नगर निगम को उपलब्ध कराई गई है। वैन में टीम के बैठने और डॉग कैचिंग के दौरान आवश्यक उपकरण रखने की समुचित व्यवस्था की गई है।

नगर निगम का कहना है कि शहरवासियों से प्राप्त शिकायतों और सुझावों को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। नई वैन के संचालन से डॉग कैचिंग की क्षमता में वृद्धि होगी और एबीसी अभियान को भी नई गति मिलेगी, जिससे शहर में आवारा कुत्तों की समस्या के समाधान की दिशा में ठोस प्रगति होगी।

ऑपरेशन प्रहार के तहत आरकेजीआईटी कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में सीपी के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार अभियान के अंतर्गत नशा मुक्त एवं अवैध हथियार मुक्त समाज बनाने की दिशा में नंदग्राम पुलिस ने सराहनीय पहल की।

एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद एवं थाना प्रभारी नंदग्राम उमेश कुमार के नेतृत्व में राजकुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राजनगर एक्सटेंशन में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करीब 450 छात्रों ने भाग लिया। पुलिस अधिकारियों ने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और उन्हें नशा व अवैध गतिविधियों से दूर रहने की अपील की। थाना प्रभारी उमेश कुमार ने कहा कि नशा व्यक्ति ही नहीं, पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है।

पुलिस ने बताया कि ऑपरेशन प्रहार के तहत लगातार कार्रवाई जारी है। कॉलेज प्रशासन ने इस पहल की सराहना की।

बरौला में प्रतिभाओं का सम्मान, युवाओं को मिला आगे बढ़ने का हौसला

नोएडा। नोएडा के बरौला गांव में युवा विकास समिति द्वारा रागिनी पार्क बारात घर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें गांव और क्षेत्र की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। युवाओं में आगे बढ़ने और उपलब्धियां हासिल करने की प्रेरणा मजबूत हुई है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक सत्यवीर सिंह गुर्जर ने कहा कि इस समारोह का उद्देश्य उन प्रतिभाओं को सम्मानित करना है, जिन्होंने अपनी उपलब्धियों से क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

सार्वजनिक परिवहन की सुविधा नहीं होने से बिलासपुर के व्यापारी परेशान

नोएडा। प्रदेश के शो विंडो गौतमबुद्ध नगर के बिलासपुर क्षेत्र में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था नहीं होने से व्यापारी परेशान हैं। व्यापारियों ने कहा कि प्रशासन और प्राधिकरण के उदासीन रवैये से क्षेत्र का उचित विकास नहीं हो सका है।

क्षेत्र के मुख्य बाजार में संवाद कार्यक्रम में इकट्ठा व्यापारियों ने स्थानीय मुद्दों को उठाया। व्यापारियों ने कहा कि कि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था नहीं होने के चलते नोएडा, दिल्ली, ग्रेटर नोएडा, बुलंदशहर और अलीगढ़ जैसे जिलों में उत्पादों को थोक में लाने या बेचने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। व्यापारियों ने कहा कि क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरों की कमी है। कई सीसीटीवी वर्तमान में सुचारू रूप से काम नहीं कर रहे हैं। बस अड्डे स्थित शौचालय की सफाई नहीं होने से यहां से निकलने वाले यात्री बदबू से परेशान हैं।

उन्होंने कहा कि बिलासपुर में बड़े क्षेत्र में राजकीय कृषि फार्म है जिस पर खेती होती है यदि यहां कोई उद्योग लगा दिया जाए तो क्षेत्र के लोगों को रोजगार का साधन बन जाएगा व्यापारियों को भी इसका लाभ मिलेगा। व्यापरियों ने बताया कि शिक्षा हासिल करने के लिए दिल्ली-नोएडा जाने वाले बच्चों को भी सार्वजनिक यातायात नहीं मिलने से दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

झपटमारी रोकने में नाकाम जाएंगे लाइन, एक्शन जल्द

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में इन दिनों मीटिंग की चर्चा दूर तक है। तो वहीं बताया जा रहा है कि जिस तरीके से मंगलवार को साहब ने क्राइम कंट्रोल वाली मीटिंग ली है वो बेहद लंबी रही थी। मीटिंग वैसे तो कूल ही होती है पर कई सर्किल वाले साहब लोगों के लिए यह ठीक नहीं रही ऐसा बताया जा रहा है। सुनने में आ रहा है कि दो सर्किल रडार पर रहे हैं। तो बताया जा रहा है कि क्राइम कंट्रोल को लेकर फिर से साहब ने बड़े और कड़े दिशा–निर्देश दिए गए हैं। इन सबके बीच जानकारी यह मिली है कि बीते कुछ दिनों में झपटमारी यानी स्नेचिंग के मामलों में ताबड़तोड़ बढ़ोत्तरी हुई है। पर अधिकारियों के दिशा–निर्देश का पुलिस कमिश्नरेट के कई थाना प्रभारियों पर असर नहीं हो रहा है। इन सबके बीच जानकारी मिली है कि सिटी से लेकर ट्रांस हिंडन तक जल्द ही झपटमारी रोकने में नाकाम थाना और चौकी प्रभारी रडार पर आएंगे। अब बताया जा रहा है कि इस मामले में जो स्नैचिंग रोकने वाली खास टीमें हैं ,उनको दोबारा से एक्टिव मोड में लाया जाएगा। साथ ही खुलासों को लेकर भी चूड़ी टाइट की जाएगी। पुलिस के सूत्रों ने बताया है कि सिटी के कई थाने ऐसे हैं जहां लगभग तीन महीने पहले आखिरी खुलासे वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई थी। तो कई थाने ऐसे हैं जहां हत्या के मामले अभी भी अनसुलझे चल रहे हैं। तो उनके एसीपी स्तर के अधिकारियों पर भी सवाल उठ रहा है। अब बताया जा रहा है कि बीते दिनों साहब ने जूम मीटिंग में जो तेवर दिखाएं है और क्राइम मीटिंग का अंदाज रहा है उसके बाद कई गंभीर परिणाम आने वाले दिनों में पुलिस कमिश्नरेट में दिखेंगे। अब इंतजार है इस इफैक्ट के बाद कुछ परिवर्तन वाला मामला देखने को मिलेगा या नहीं। वैसे बताया जा रहा है कि जिस तरीके से एक सर्किल में दो प्रहार हुए हैं, उसके बाद कुछ और बड़ा हो सकता है। पर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में इन दिनों ऑपरेशन प्रहार की पारी बहुत तेजी से खेली जा रही है, पर सवाल उठ रहा है कि जिस पुलिस कमिश्नरेट में अधिकांश अभियान केवल फोटो तो सीमित हैं, यह क्या साबित कर पाएगा। इन सबके बीच जानकारी मिली है कि सिटी जोन के एक थाना क्षेत्र में स्नैचिंग होने के बाद इलाके वाली चौकी पर मामला बेहद टाइट वाला चल रहा है।

कैमकुस कॉलेज ऑफ लॉ में 'द्वितीय कमला शुकुल मेमोरियल इंट्रा मूट कोर्ट' का आगाज 10 अप्रैल से

गाजियाबाद, करंट क्राइम। संजय नगर सेक्टर-23 स्थित कैमकुस कॉलेज ऑफ लॉ द्वारा वकालत के विद्यार्थियों के लिए 'द्वितीय कमला शुकुल मेमोरियल इंट्रा मूट कोर्ट प्रतियोगिता' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। 10 और 11 अप्रैल को होने वाले इस दो दिवसीय कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भावी अधिवक्ताओं को रिसर्च और तर्क शक्ति का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अंबुज शर्मा ने आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रतियोगिता विशेष रूप से समसामयिक आपराधिक मामलों पर केंद्रित है। इसका लक्ष्य विद्यार्थियों की कानूनी गुणवत्ता को विकसित करना और उन्हें न्याय प्रणाली की बारीकियों से रूबरू कराना है। उप प्राचार्या डॉ. नीतू मनकोटिया ने बताया कि प्रतियोगिता को लेकर छात्रों में भारी उत्साह है और इसमें कुल 31 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। उन्होंने घोषणा की कि प्रतियोगिता के अंत मेंः विजेता टीम, उत्कृष्ट वक्ता, उत्कृष्ट मेमोरियल इन तीनों श्रेणियों में प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया जाएगा। विद्यार्थी संयोजक दीपक मिश्र ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस मंच के माध्यम से देश को ऐसे बेहतरीन अधिवक्ता मिलेंगे, जो भविष्य में कानून की जटिल प्रक्रिया को आम जनता के लिए आसान बनाने में सहयोग करेंगे।

इस अवसर पर डॉ. तबस्सुम बेग, डॉ. निलिमा अग्रवाल, सोमना सिंघल और प्रखर द्विवेदी सहित कॉलेज के अन्य गणमान्य सदस्य एवं प्राध्यापक उपस्थित रहे।

आईएमएसयूसी में ईरान-अमेरिका तनाव पर विश्लेषणात्मक सत्र का आयोजन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। आईएमएस गाजियाबाद यूनिवर्सिटी कोर्सेस कैंपस में बुधवार को 'ईरान-अमेरिका युद्धः पेस्टल/एसडब्ल्यूओटी विश्लेषण' विषय पर एक शैक्षणिक सत्र का आयोजन किया गया। सत्र का समन्वयन सीए सीएमए विक्रांत सिंह ने किया। सत्र में दिव्यांश उपाध्याय, आयुष्मान चौधरी, अविका गोयल, कृष राय, श्रेया रानी और शुभम चौधरी ने सक्रिय सहभागिता करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने पेस्टल (राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी, कानूनी, पर्यावरणीय) तथा एसडब्ल्यूओटी (शक्तियाँ, कमजोरियाँ, अवसर, खतरे) जैसे विश्लेषणात्मक ढांचों के माध्यम से ईरान-अमेरिका तनाव की विभिन्न स्थितियों का विस्तार से अध्ययन किया। चर्चा के दौरान ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में संभावित व्यवधान, अमेरिका की सैन्य शक्ति बनाम ईरान की सामरिक स्थिति तथा भारत जैसे देशों पर उत्पन्न होने वाले भू-राजनीतिक जोखिम जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन विमर्श हुआ। समन्वयक सीए सीएमए विक्रांत सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में कूटनीति और बहुपक्षीय वार्ता ही इस तरह के तनावपूर्ण हालात का स्थायी समाधान प्रस्तुत कर सकती हैं। कार्यक्रम का समापन प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों और श्रोताओं ने विषय से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपने प्रश्न रखे और विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया।

पोस्ट ऑफ द डे

प्रस्तुति करंट क्राइम

चौधरी सुन्दर सिंह भाटी is with **Sunder Bhati** in **Ghaziabad.**
18m

प्रभु की कृपा से छोटे भाई को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई
ईश्वर की कृपा और आप सभी का आर्शिवाद सदेव हमारे पुत्र पर बना रहे

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पूर्व जेल विजिटर भाजपा नेता सुन्दर सिंह भाटी के यहां नन्हे सदस्य का आगमन हुआ है। उनके छोटे भाई को पुत्र रतन की प्राप्ति हुई है। परिवार में आयी इस खुशी को सुन्दर भाटी ने फेसबुक पर साझा किया। बधाई, शुभकामनाओं का एक सैलाब आ गया। सुन्दर भाटी की ये पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

दैनिक करंट क्राइम | नई दिल्ली
गुरुवार • 09 अप्रैल -2026 | 07

ईरान के लावन द्वीप में तेल रिफाइनरी पर हमला

तेहरान ने भी कुवैत में किए ड्रोन अटैक

तेहरान। युद्ध विराम की घोषणा के कुछ ही घंटों के बाद ईरान के लावन द्वीप में तेल रिफाइनरी पर हमला हुआ है। उधर, ईरान ने भी कुवैत में ऊर्जा केंद्रों को ड्रोन से निशाना बनाया है। कुवैती रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, सुबह पांच बजे से 28 ड्रोन मार गिराए गए। पढ़िए रिपोर्ट-

युद्ध विराम की घोषणा के कुछ घंटों बाद ही ईरान के लावन द्वीप पर स्थित तेल रिफाइनरी पर हमला हुआ है। एसोसिएटेड प्रेस ने ईरानी सरकारी टेलीविजन के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

रिपोर्ट में बताया गया, दमकलकर्मी आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, कोई घायल नहीं हुआ। लेकिन यह नहीं बताया गया है कि हमला किसकी ओर से किया गया है। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने भी कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ईरान की ओर से आ रही मिसाइलों के जवाब में गोलीबारी कर रही है।

ईरान ने कुवैत में किए ड्रोन हमले: युद्द विराम के बाके बावजूद ईरान ने भी कुवैत में ड्रोन हमला किया। हमले में तेल और बिजली से जुड़े अहम ठिकानों को निशाना बनाया गया। कुवैत के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल सऊद अब्दुलअजीज अल-ओतैबी ने बताया कि सुबह पांच बजे के बाद से 28 ईरानी ड्रोन मार गिराए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह दुश्मन की ओर से किया गया बड़ा और खौफनाक हमला था। बड़ी संख्या में ड्रोन भेजे गए थे, जिन्हें वायु रक्षा प्रणाली ने रोक लिया।

उन्होंने दावा किया कि कुछ ड्रोन देश के दक्षिण हिस्से में मौजूद तेल संयंत्र और बिजली घरों की तरफ बढ़े। इन हमलों से तेल ढांचे, बिजली केंद्रों और पानी के संयंत्र को काफी नुकसान हुआ है। अमेरिका और ईरान के बीच मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात दो हफ्ते के अस्थायी युद्धविराम पर सहमति बनी है। यह समझौता ऐसे समय में हुआ, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार ईरान को तबाह करने की धमकी देते रहे।

ट्रंप ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए तीन दिन पहले ही धमकी दी थी कि अगर तेहरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य नहीं खोला और अमेरिका के साथ किसी समझौता पर नहीं पहुंचा तो इसका अंजाम बुरा होगा। ट्रंप ने चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि 7 अप्रैल के रात 8 बजे (भारतीय समयानुसार 8 अप्रैल सुबह 5.30 बजे) तक युद्ध शुरू हो सकता है और अमेरिका संघर्ष में ईरान के ऊर्जा संयंत्रों (पावर प्लांट्स) और पुलों को निशाना बनाएगा।

केपी ओली के बाद देउबा पर भी बालेन सरकार ने कसा शिकंजा, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में वारंट जारी

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा और उनकी पत्नी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है। यह कार्रवाई जले हुए नोटों के मामले की जांच के बाद हुई है। दोनों इस समय देश से बाहर हैं और इंटरपोल नोटिस की तैयारी चल रही है।

नेपाल की राजनीति में बड़ा उथल-पुथल देखने को मिल रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा और उनकी पत्नी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी होने से सियासी माहौल गरमा गया है। इससे पहले केपी शर्मा ओली पर भी कार्रवाई की जा चुकी है, जिससे साफ है कि नई सरकार भ्रष्टाचार के मामलों में सख्ती दिखा रही है।

इस पूरे मामले में काठमांडू जिला अदालत ने जांच एजेंसी की मांग पर यह वारंट जारी किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फैसला जज महेंद्र खड़का की पीठ की मंजूरी के बाद लिया गया। जांच एजेंसी लंबे समय से देउबा, उनकी पत्नी और अन्य नेताओं पर मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच कर रही थी।

क्या है मनी लॉन्ड्रिंग का पूरा मामला: बताया जा रहा है कि पिछले साल सितंबर में हुए जेन-जी आंदोलन के दौरान कई नेताओं के घरों से जली हुई नकदी की तस्वीरें और वीडियो सामने आए थे। इनमें देउबा के घर से जुड़े दृश्य भी थे। फॉरेंसिक जांच में इन नोटों के असली होने की पुष्टि हुई, जिसके बाद मामला गंभीर हो गया और व्यापक जांच शुरू की गई।

जानकारी के अनुसार, देउबा और उनकी पत्नी इस समय नेपाल में नहीं हैं। दोनों 26 फरवरी को इलाज के लिए सिंगापुर गए थे और उसके बाद हांगकांग भी पहुंचे। अभी तक उनकी वापसी नहीं हुई है, जिससे जांच एजेंसियों की कार्रवाई और तेज हो गई है। **क्या इंटरपोल की मदद लेने की तैयारी है:** सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तारी वारंट जारी करने का मकसद इंटरपोल रेड नोटिस जारी कराने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। इससे विदेश में मौजूद आरोपियों को हिरासत में लेकर नेपाल लाया जा सकता है।

क्या चुनाव के बाद बदली है राजनीतिक स्थिति

पांच मार्च को हुए चुनाव के बाद नेपाल की राजनीति में बड़ा बदलाव आया है। नई सरकार बनने के बाद भ्रष्टाचार के मामलों में तेजी से कार्रवाई शुरू हुई है। यही वजह है कि अब देउबा और अन्य नेताओं के खिलाफ जांच का दायरा बढ़ाया गया है। देउबा पांच बार प्रधानमंत्री रह चुके हैं और 1991 से लगातार राजनीति में सक्रिय रहे हैं। हालांकि हालिया घटनाक्रम और जांच के चलते उनका राजनीतिक भविष्य संकट में नजर आ रहा है। नई सरकार के सख्त रुख के कारण उनके लिए स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

यूएस-ईरान युद्धविराम के बाद बाजारों में उछालः तेल की कीमतों में गिरावट

2.7% चढ़े अमेरिकी शेयर

वाशिंगटन। पश्चिम एशिया में पिछले एक महीने से भड़के संघर्ष ने आज एक अहम मोड़ ले लिया है। अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह का संघर्षविराम समझौता हुआ है, इसके तहत दोनों देशों ने लड़ाई रोकने पर सहमति दी है और होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने का आश्वासन भी दिया गया है, जो वैश्विक ऊर्जा मार्ग के रूप में बेहद अहम है।

अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम के बाद वैश्विक बाजारों में जबरदस्त राहत देखी गई है। कच्चे तेल की कीमतें गिरकर 90 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई हैं। वहीं, अमेरिकी शेयर बाजार में 2.7 प्रतिशत की बड़ी तेजी दर्ज की गई है। इस समझौते ने खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते सैन्य तनाव और तेल आपूर्ति की चिंताओं को फिलहाल कम कर दिया है। इसके बाद अब निवेशकों का भरोसा बाजार के प्रति लौटा है। इतना ही नहीं, महंगाई में कमी आने की उम्मीद भी जगी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान में एक सकारात्मक शासन परिवर्तन यानी, रिजीम चेंज हुआ है। अब अमेरिका ईरान के साथ मिलकर काम करेगा। राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि अब ईरान में यूरेनियम का संवर्धन पूरी तरह रोक दिया जाएगा। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी कि अमेरिका, ईरान के साथ मिलकर उन सभी परमाणु अवशेषों यानी की न्यूक्लियर डस्ट को खोदकर बाहर निकालेगा और हटाएगा, जो बी-2 बॉम्बर्स से किए गए हमलों के बाद सुरंगों में दबे हुए हैं।

युद्ध में ईरान की मदद करने वालों की आई शामत

अमेरिका ने तत्काल प्रभाव से लगाया 50% टैरिफ

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को हथियार सप्लाई करने वाले देशों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने का एलान कर दिया है। उन्होंने ईरान में सफल सत्ता परिवर्तन का दावा करते हुए कहा कि अब वहां परमाणु संवर्धन नहीं होगा और अमेरिका खुद वहां से परमाणु कचरा साफ करेगा। फिलहाल, दोनों देशों के बीच प्रतिबंधों को हटाने के लिए 15 सूत्रीय समझौते पर बातचीत जारी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ा एलान किया है। ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि जो भी देश ईरान को सैन्य हथियार या युद्ध सामग्री सप्लाई करेगा, उसे भारी आर्थिक नुकसान झेलना होगा। ट्रंप ने घोषणा की है कि ऐसे देशों से अमेरिका आने वाले हर सामान पर तुरंत प्रभाव से 50 फीसदी का आयात शुल्क, यानी की टैरिफ लगा दिया गया है। राष्ट्रपति ने साफ-साफ कहा कि इस फैसले में किसी भी देश को कोई छूट या रियायत नहीं दी जाएगी।

ईरान में नई शुरूआत का दावा

राष्ट्रपति ट्रंप ने चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा कि ईरान में 'सत्ता परिवर्तन' हो चुका है। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था के तहत अब ईरान में यूरेनियम का संवर्धन पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि हम ईरान के साथ मिलकर काम करेंगे और वहां जमीन के नीचे दबे हुए परमाणु मलबे को बाहर निकालकर नष्ट करेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा कि ईरान के इन संवेदनशील ठिकानों पर अमेरिकी 'स्पेस फोर्स' के जरिए उपग्रह से पैनी नजर रखी जा रही है। उन्होंने दावा किया कि पिछले हमलों के बाद से उन ठिकानों पर किसी भी चीज को छुआ तक नहीं गया है।

15 सूत्रीय समझौते पर बातचीत शुरू: युद्ध के बाद अब शांति की ओर कदम बढ़ाते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच प्रतिबंधों में ढील देने पर चर्चा चल रही है। उन्होंने खुलासा किया कि दोनों पक्षों के बीच एक 15 सूत्रीय एजेंडा तैयार किया गया है, जिसमें से कई बिंदुओं पर सहमति भी बन चुकी है। ईरान के खिलाफ ट्रंप का यह रुख दिखाता है कि वे तेहरान को आर्थिक रूप से पूरी दुनिया से अलग-थलग कर देना चाहते हैं, जिससे कोई भी बाहरी ताकत ईरान की सैन्य मदद न कर सके। वहीं दूसरी ओर, वे परमाणु खतरे को जड़ से खत्म करने की योजना पर काम कर रहे हैं।

जानकारों का मानना है कि ट्रंप के इस '50% टैरिफ' वाले फैसले से वैश्विक व्यापार में हड़कंप मच सकता है। चीन और रूस जैसे देश ईरान के करीबी रहे हैं, उनके लिए अब अमेरिका के साथ व्यापार करना बड़ी चुनौती बन सकता है।

हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने किन-किन देशों के खिलाफ 50 फीसदी टैरिफ लगाने की बात कही है।

ईरान ने युद्ध विराम के लिए गुहार लगाई थी : अमेरिकी रक्षा मंत्री हेगसेथ

वॉशिंगटन। ईरान के साथ युद्ध विराम पर अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस क्षण को संभव बनाया। ईरान ने युद्ध विराम के लिए गुहार लगाई थी। हम सब यह जानते हैं। ऑपरेशन एपिक फ्यूरी जंग के मैदान में एक ऐतिहासिक और जबरदस्त जीत है। ऑपरेशन एपिक फ्यूरी ने ईरान की सेना को पूरी तरह तबाह कर दिया है और उसे आगे आने वाले कई वर्षों तक युद्ध में अप्रभावी बना दिया है।

ईरान की नौसेना समुद्र की तलहटी में है, ईरान के पास अब कोई वायु रक्षा प्रणाली नहीं है

उन्होंने कहा, ईरान के खिलाफ जंग में अमेरिका और इस्त्राइल ने अपने सभी लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। हेगसेथ ने कहा, अमेरिका की युद्ध शक्ति का केवल 10 फीसदी का उपयोग करके 40 दिनों से भी कम समय में देश ने दुनिया की सबसे बड़ी सेनाओं में से एक ध्वस्त कर दिया।

उन्होंने दावा किया कि ईरान ने साबित कर दिया है कि वह खुद की रक्षा करने में असमर्थ है। उन्होंने कहा, तेहरान के खिलाफ अमेरिकी-इस्त्राइली संयुक्त अभियान ने प्लान के मुताबिक तय समय पर हर एक उद्देश्य को हासिल कर लिया है। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा कि ईरान की नौसेना समुद्र की तलहटी में है। ईरान के पास अब कोई वायु रक्षा प्रणाली नहीं है। उनका मिसाइल कार्यक्रम व्यावहारिक रूप से नष्ट हो चुका है।

फिर याद आया 64 साल पुराना 'ब्लैक सैटरडे'

वाशिंगटन। बीते 24 घंटे के भीतर पूरी दुनिया एक बेहद तनाव से गुजरी। दरअसल कयास लगाए जा रहे थे कि आखिर ईरान की पूरी सभ्यता को खत्म करने के लिए डोनाल्ड ट्रंप क्या करने वाले हैं,.क्या वास्तव में ईरान पर परमाणु हमला हो जाएगा। लेकिन ऐसा पहली बार नहीं हुआ कि अमेरिका के साथ हुए युद्ध में समूची दुनिया इस तनाव में रही हो कि परमाणु हमला होगा या नहीं।

आज से ठीक 64 वर्ष पहले 27 अक्टूबर 1962 में भी बिलकुल इसी तरह का तनाव था। पूरी दुनिया में सांसे रुकी हुई कि क्या क्यूबा के समुद्र से अमेरिका पर परमाणु हमला हो जाएगा या तुर्की से रूस पर अमेरिकी मिसाइल परमाणु अटैक कर देंगी। लेकिन उस दिन भी वहां पर ठीक 8 अप्रैल 2026 की तरह एक समझौता हुआ परमाणु युद्ध के मुहाने पर खड़े दो बड़े देश शांति समझौते के साथ अपने-अपने देश में वापस चले गए।

ईरान की पूरी सभ्यता को खत्म करने की धमकी देने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने 8 अप्रैल को तड़के सीजफायर का एलान कर दिया। अमेरिका का यह फैसला अप्रत्याशित नहीं था, अमेरिका दूसरे देशों पर दवाब बनाने के लिए ऐसी रणनीति का इस्तेमाल पहले भी करता रहा है।

अमेरिकी ने अपनाई पुरानी रणनीतिः 90 वर्षीय इतिहासकार और वॉर वेटरन रिटायर्ड ब्रिगेडियर त्रिलोचन सिंह कहते हैं कि जिस तरीके का तनाव अमेरिका और ईरान के युद्ध के दौरान बीते 24 घंटे में दिखा वह कम से कम दुनिया के उन अनुभवी लोगों के लिए बिल्कुल नया नहीं है जो अमेरिका को करीब से समझते रहे हैं। उनका मानना है कि जिस तरीके का समझौता युद्ध विराम के तहत हुआ है इसकी गुंजाइश पहले से लग रही थी और माना भी यही जा रहा था कि ऐसा होगा। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप के एक सोशल मीडिया की पोस्ट ने पूरी दुनिया को हिला के रख दिया था। जिसमें उन्होंने कहा था कि वह एक सभ्यता को खत्म करने वाले हैं और वह रात 7 अप्रैल की भी हो सकती है। बस इसी आधार पर पूरी दुनिया एक बड़े तनाव में पहुंच गई। रिटायर्ड ब्रिगेडियर त्रिलोचन सिंह कहते हैं कि अमेरिका की यह सोची समझी रणनीति थी। जो कि अमेरिका हमेशा से अपनाता आया है।

ईरान जैसी स्थिति ही बन गई थी तब

वह कहते हैं कि 64 वर्ष पहले की बात है। क्यूबा में जब फिदेलो कास्त्रो राष्ट्रपति थे और अमेरिका क्यूबा को खत्म करने की पूरी तैयारी में था। इसी युद्ध में सोवियत रूस क्यूबा की जमकर मदद कर रहा था। अमेरिका बिल्कुल नहीं चाहता था कि सोवियत रूस उनके मामले में दखल दे लेकिन उसकी बात नहीं मानी जा रही थी। 27 अक्टूबर 1962 को जब युद्ध चरम पर था तो क्यूबा के भीतर अमेरिका के यू-2 स्पाई जहाज को मार गिराया और उसके पायलट राफेल एंडरसन को भी इस हमले में मार दिया। वॉर वेटरन और इंटरनेशन मरीन ट्रेनिंग कैपेसिटी के पूर्व निदेशक रहे कैप्टन जीएस ढिल्लों बताते हैं कि वास्तव में 27 अक्टूबर 1962 एक ब्लैक सैटरडे के तौर पर सबसे मनहूस दिन साबित होने वाला था। क्योंकि सोवियत रूस की सबमरीन बी-59 जो कि परमाणु हथियारों से लैस थी वह क्यूबा के समुद्र में अमेरिका पर हमला करने के लिए तैयार थी।

सीजफायर के बाद फंसे लोगों के लिए एडवाईजरी जारी

दुबई। ईरान में खतरों को देखते हुए भारत ने अपने नागरिकों के लिए 'एग्जिट' एडवाइजरी जारी की है। दूतावास ने भारतीयों को सुरक्षित रास्तों से देश छोड़ने और बॉर्डर की ओर अकेले न जाने की सलाह दी है। युद्ध शुरू होने के समय वहां करीब 9,000 भारतीय थे, जिनमें से अधिकांश को निकालने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

पश्चिम एशिया में चल रहे भीषण तनाव के बीच भारत सरकार ने ईरान में रह रहे अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बड़ी चेतावनी जारी की है। बुधवार को तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने एक नई एडवाइजरी जारी करते हुए सभी भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द ईरान छोड़ने की सलाह दी है।

युद्ध विराम की खबरों के बीच डर का माहौल

यह एडवाइजरी उस समय आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्ते के 'कंडीशनल सीजफायर' यानी की शर्तों के साथ युद्ध विराम पर सहमति बनी है। इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को शिपिंग के लिए खोलने की बात कही गई है। हालांकि, जमीन पर हालात अभी भी तनावपूर्ण हैं, जिसके चलते भारत सरकार कोई जोखिम नहीं लेना चाहती।

28 फरवरी से दहक रहा है पश्चिम एशिया

ईरान में संघर्ष की शुरूआत 28 फरवरी 2026 को हुई थी, जब अमेरिका और इस्त्राइल ने संयुक्त रूप से ईरान पर हमला किया था। इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और कई शीर्ष कमांडरों की मौत हो गई थी। इसके बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पूरे खाड़ी क्षेत्र को युद्ध की आग में झोंक दिया। आंकड़ों के मुताबिक, जब युद्ध शुरू हुआ तब ईरान में छात्रों सहित लगभग 9,000 भारतीय मौजूद थे। भारत सरकार के 'रेस्क्यू ऑपरेशन' के जरिए अब तक करीब 1,800 लोग सुरक्षित स्वदेश लौट चुके हैं। बाकी बचे लोगों को सुरक्षित निकालना अब सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

दूतावास की सख्त हिदायत

भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि सात अप्रैल की पुरानी एडवाइजरी के बाद भी जो भारतीय अब भी ईरान में हैं, उन्हें दूतावास के साथ तालमेल बिठाकर सुरक्षित बाहर निकल जाना चाहिए। भारतीय दूतावास ने यह भी चेतावनी यह भी दी है कि कोई भी भारतीय नागरिक दूतावास से चर्चा किए बिना किसी भी अंतरराष्ट्रीय जमीनी सीमा को पार करने की कोशिश न करे। युद्ध की स्थिति में सीमाओं पर सुरक्षा बल बेहद आक्रामक होते हैं, ऐसे में बिना तालमेल के वहां जाना जानलेवा साबित हो सकता है।

कैलिफोर्निया में गिरफ्तारी के दौरान संदिग्ध को गोली मारी गई

वाशिंगटन। कैलिफोर्निया के पैटरसन में आईसीई एजेंटों ने एक संदिग्ध व्यक्ति को गोली मारकर घायल कर दिया। अधिकारियों ने उस पर कार से कुचलने का आरोप लगाया है। वहीं संदिग्ध के वकील ने इसे गलत पहचान का मामला बताया है। अब एफबीआई इस पूरी घटना की जांच कर रही है।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में मंगलवार को एक बड़ी घटना हुई। यहां अप्रवासन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) के एजेंट एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने पहुंचे। गिरफ्तारी की कोशिश के दौरान एजेंटों ने उस व्यक्ति पर गोलियां चला दीं, जिससे वह घायल हो गया। होमलैंड सुरक्षा विभाग ने इस घटना की जानकारी दी है। विभाग ने बताया कि संदिग्ध ने अपनी कार से एक एजेंट को कुचलने की कोशिश की थी। इसके बाद एजेंटों ने अपने बचाव में गोलियां चलाईं। एजेंटों का कहना है कि अल साल्वाडोर में एक हत्या के मामले में पूछताछ के लिए उसकी तलाश थी। दूसरी ओर, मेंडोजा के वकील पैट्रिक कोलासिंस्की ने इन दावों को गलत बताया है।

ईरान की 10 शर्तों से ट्रंप असहमत, अमेरिकी कूटनीति पर पूर्व राजदूत ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच घोषित दो हफ्तों के युद्धविराम को जहां एक ओर बड़ी कूटनीतिक सफलता माना जा रहा है, वहीं इस पूरे घटनाक्रम में एक बेहद अहम बात उभरकर सामने आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के 10-सूत्रीय प्रस्ताव को स्वीकार करने के बजाय सिर्फ उसे देखने योग्य बताया है, लेकिन उस पर अपनी सहमति नहीं जताई। विदेश नीति विशेषज्ञ और पूर्व राजदूत कलारिकल प्रांचु फैबियन ने इसी पहलू को रेखांकित करते हुए कहा कि इसे समझना बेहद जरूरी है, क्योंकि यही आने वाली कूटनीतिक दिशा तय करेगा।

विशेषज्ञ केपी फैबियन के अनुसार अमेरिका-ईरान के बीच दो हफ्तों का युद्ध विराम राहत भरा कदम माना जा रहा है, लेकिन ट्रंप ने ईरान के 10 सूत्रीय प्रस्ताव को सिर्फ बातचीत का आधार माना है, उस पर सहमति नहीं दी।

दोनों पक्षों के बीच कई अहम मुद्दों पर मतभेद बने हुए हैं

फैबियन के अनुसार, ट्रंप का यह कहना कि ईरान का 10-पॉइंट प्लान वर्केबल बेसिस है, केवल बातचीत शुरू करने की इच्छा को दशार्ता है, न कि किसी तरह की सहमति को। उन्होंने स्पष्ट किया कि ट्रंप ने खुद यह नहीं कहा कि वे इस प्रस्ताव के सभी बिंदुओं से सहमत हैं। इसका मतलब यह है कि दोनों पक्षों के बीच अभी भी कई अहम मुद्दों पर मतभेद बने हुए हैं और आगे की बातचीत आसान नहीं होगी।

ट्रंप ने किया सघंर्ष विराम का एलान

दरअसल, ट्रंप ने दो सप्ताह के लिए सैन्य कार्रवाई रोकने का एलान किया है, जिसे उन्होंने होर्मुज को फिर से खोलने की शर्त से जोड़ा है। यह जलमार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। ट्रंप का कहना है कि इस अस्थायी विराम के दौरान एक दीर्घकालिक शांति समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश की जाएगी।

हालांकि, यह विराम पूरी तरह सशर्त है और इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि ईरान और अमेरिका किन बिंदुओं पर सहमत हो पाते हैं। ईरान की ओर से भी संकेत मिले हैं कि यदि उस पर हमले रुकते हैं तो वह अपनी सैन्य कार्रवाई रोक सकता है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही दो सप्ताह तक संभव होगी, लेकिन यह ईरानी बलों के समन्वय और कुछ तकनीकी सीमाओं के अधीन रहेगी।

युद्ध विराम सभी के हित में है

फैबियन का मानना है कि यह युद्ध विराम निश्चित रूप से राहत देने वाला कदम है और इससे बड़े सैन्य टकराव को टालने का अवसर मिला है। उन्होंने इसे अमेरिका, ईरान, इस्त्राइल, पश्चिम एशिया और भारत सभी के हित में बताया। हालांकि उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यह स्थायी समाधान नहीं है, बल्कि केवल एक विंडो पीरियड है, जिसके भीतर कठिन और जटिल बातचीत होनी बाकी है।

भारतीय मूल की महिला ने जीता केस, नर्स को लगा भारी जुर्माना

लंदन। ब्रिटेन के एनएचएस में काम करने वाली 61 वर्षीय इल्डा एस्तेवेस ने अपने सहकर्मी के खिलाफ 'उत्पीड़न' का मुकदमा जीता है। सहकर्मी उन्हें उनकी मर्जी के खिलाफ 'आंटी' कहकर बुलाता था। कोर्ट ने इसे उम्र और लिंग के आधार पर भेदभाव मानते हुए महिला को करीब 1.5 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है।

कार्यस्थल पर बातचीत के दौरान हम अक्सर सम्मान देने के लिए 'आंटी' या 'अंकल' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि पेशेवर जगह पर बिना मर्जी के किसी को 'आंटी' कहना कानूनी मुसीबत बन सकता है? ब्रिटेन में ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जहां भारतीय मूल की एक स्वास्थ्यकर्मी ने खुद को 'आंटी' बुलाए जाने पर केस जीत लिया है।

ब्रिटेन की नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) में 61 वर्षीय इल्डा एस्तेवेस हेल्थकेयर असिस्टेंट के पद पर कार्यरत हैं। उनके साथ काम करने वाले नर्स चार्ल्स ओपोंग उन्हें बार-बार 'आंटी' कहकर संबोधित करते थे। इल्डा को यह संबोधन पसंद नहीं था। उन्होंने स्पष्ट रूप से ओपोंग से कहा था कि वे उन्हें उनके नाम से बुलाएं। इसके बावजूद, ओपोंग ने अपनी आदत नहीं बदली। उन्हें सार्वजनिक जगहों जैसे कॉरिडोर और ऑफिस में 'आंटी' कहना जारी रखा। इतना ही नहीं, ओपोंग ने इल्डा से एक अन्य बुजुर्ग सहकर्मी के साथ 'जोड़ी' बनाने की बात भी कही थी। इन बातों से आहत होकर इल्डा ने वॉटफोर्ड एम्प्लॉयमेंट ट्रिब्यूनल में शिकायत दर्ज कराई।

सुनवाई के दौरान घाना मूल के नर्स ओपोंग ने तर्क दिया कि उनकी संस्कृति में उम्र में बड़ी महिलाओं को सम्मान देने के लिए 'आंटी' कहा जाता है। कोर्ट ने इस सांस्कृतिक पहलू को स्वीकार तो किया, लेकिन इसे उत्पीड़न के दायरे से बाहर नहीं माना। जज जॉर्ज एलीओट की अध्यक्षता वाले पैनल ने कहा कि ओपोंग का मकसद 'भद्दा मजाक' करना था। कोर्ट ने माना कि जब किसी कर्मचारी ने स्पष्ट कर दिया है कि उसे किसी खास शब्द से संबोधित न किया जाए, तो बार-बार वही शब्द दोहराना एक अपमानजनक माहौल पैदा करता है। कोर्ट ने इसे उम्र और लिंग के आधार पर उत्पीड़न माना।

मुआवजे का आदेश

ट्रिब्यूनल ने वेस्ट लंदन एनएचएस ट्रस्ट को आदेश दिया है कि वे इल्डा एस्तेवेस को उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाने के बदले मुआवजे के रूप में 1,425.15 पाउंड यानी करीब 1.5 लाख रुपये का भुगतान करें। हालांकि, इल्डा की ओर से लगाए गए नस्लीय भेदभाव और वेतन कटौती के अन्य आरोपों को कोर्ट ने खारिज कर दिया।

नई दिल्ली | दैनिक करंट क्राइम
08 | गुरुवार • 09 अप्रैल -2026
गाजियाबाद

'ग्राम चलो - बूथ चलो' अभियान में अजीत पाल त्यागी ने गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

मुरादनगर, करंट क्राइम। ग्राम मिल्क रावली में आयोजित ग्राम चौपाल में विधायक अजीत पाल त्यागी ने केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को विस्तार से ग्रामीणों के सामने रखा।

भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे 'ग्राम चलो - बूथ चलो' अभियान के तहत मुरादनगर देहात मंडल के ग्राम मिल्क रावली तथा शहर मंडल की डिफेंस कॉलोनी में चौपाल का आयोजन महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में हुआ।

विधायक अजीत पाल त्यागी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार की नीतियां अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं और देश वैश्विक स्तर पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने अंत्योदय के सिद्धांत को भाजपा की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि योजनाओं से गांव-गांव में सकारात्मक बदलाव दिख रहा है। ग्राम चौपाल का आयोजन एससी मोर्चा अध्यक्ष सतवीर राणा तथा शहर मंडल में सभासद मनोज शेरावत और कृष्णा शर्मा द्वारा किया गया।

महानगर मीडिया प्रभारी नीरज शर्मा ने भी सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में राहुल चौधरी (ब्लॉक प्रमुख), विपिन चौधरी (मंडल अध्यक्ष), सुमित त्यागी व योगेंद्र शर्मा (मंडल महामंत्री), सहंसर पाल (ग्राम प्रधान), सुभाष प्रधान, मोहन शर्मा, गीता चौधरी, अनिल शर्मा, विनोद धनगर, सोनिया त्यागी, तनु शर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अशोक चावला छठी बार बने उत्तर प्रदेश टेंट व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष, नोएडा में होगा आगामी महाधिवेशन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश टेंट व्यापारी एसोसिएशन के त्रिवार्षिक चुनाव ग्रेटर नोएडा स्थित वीकेएस गार्डन में अत्यंत गरिमामय और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए। गिरीश मित्तल की देखरेख में आयोजित इस चुनावी प्रक्रिया में अशोक चावला (गाजियाबाद) पर एक बार फिर भरोसा जताते हुए उन्हें सर्वसम्मति से छठी बार संगठन का अध्यक्ष चुना गया।

चुनाव में अध्यक्ष पद के साथ-साथ अन्य महत्वपूर्ण पदों पर भी नियुक्तियां की गईं: अध्यक्ष: अशोक चावला (गाजियाबाद) : निर्विरोध निर्वाचित। महामंत्री: अभिलेश वर्मा (वाराणसी) : पुन: जिम्मेदारी सौंपी गई। कोषाध्यक्ष: महेश गुप्ता (कानपुर) : पहली बार इस पद के लिए चुने गए। निर्वाचन के पश्चात अपने संबोधन में नवनिर्वाचित अध्यक्ष अशोक चावला ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, छठी बार यह जिम्मेदारी मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। संगठन की एकजुटता ही हमारी असली शक्ति है। आने वाले समय में हमारा मुख्य लक्ष्य युवाओं को संगठन से जोड़ना और प्रदेश के प्रत्येक जिले तक एसोसिएशन की सक्रियता को विस्तार देना है। अशोक चावला ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश टेंट व्यापारी एसोसिएशन का 16वां त्रिवार्षिक महाधिवेशन वर्ष 2026 में नोएडा में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने सभी व्यापारी साथियों से इस आगामी आयोजन को सफल बनाने के लिए पूर्ण सहयोग और सहभागिता की अपील की है।

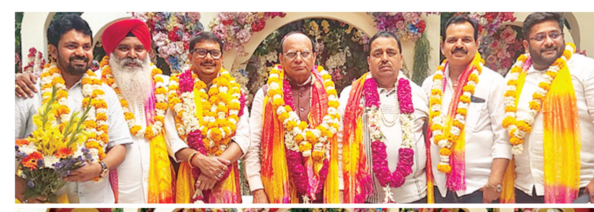

इस अवसर पर प्रदेश भर से आए टेंट व्यापारियों ने नई कार्यकारिणी का स्वागत किया और संगठन के उज्जवल भविष्य की कामना की।

गाजियाबाद में जीडीए का बुलडोजर एक्शन, अवैध कॉलोनी ध्वस्त

सड़क, बाउंड्री वॉल और साइट ऑफिस समेत निर्माण गिराए

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने उपाध्यक्ष के निर्देशानुसार अवैध निर्माण और अनाधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। आज ग्राम भिक्कनपुर के खसरा नंबर 475 में प्रभारी प्रवर्तन जोन-02 के नेतृत्व में जीडीए की टीम ने अवैध रूप से प्लॉटिंग कर विकसित की जा रही कालोनी को ध्वस्त कर दिया।

स्थल पर कोई स्वीकृत तलपट मानचित्र प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके परिणामस्वरूप कालोनाईजर द्वारा बनाई गई सड़क, बाउंड्री वॉल, साइट ऑफिस सहित अन्य अवैध निमार्णों को पूरी तरह से ध्वस्त किया गया। ध्वस्तीकरण के दौरान कॉलोनाईजर और निर्माणकताओं ने भारी विरोध किया, लेकिन पुलिस और प्राधिकरण प्रवर्तन दस्ते ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए कार्यवाही पूरी की।

कार्यवाही के दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन-2 का समस्त स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ते मौजूद रहे। जीडीए ने इस कार्रवाई को अवैध निर्माण और अनधिकृत कॉलोनियों के प्रति सख्त संदेश के रूप में पेश किया।

सरकार और समाज के बीच सेतु बनेंगे सामुदायिक रेडियो

लखनऊ में कम्युनिटी रेडियो संगठन उत्तर प्रदेश की बैठक संपन्न

लखनऊ, करंट क्राइम। 'केजीएमयू गूँज' परिसर में कम्युनिटी रेडियो संगठन उत्तर प्रदेश की बैठक में प्रदेशभर के रेडियो स्टेशनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि प्रो. के.के. सिंह ने कहा कि सामुदायिक रेडियो सरकार की योजनाओं और जनता की समस्याओं के बीच सेतु का कार्य करते हैं।

अध्यक्ष आलोक सिंह (रेडियो अंबेडकरनगर) ने जनभागीदारी को मजबूत करने में रेडियो की भूमिका बताई, जबकि महासचिव सामंत सेखरी (हिन्ट रेडियो गाजियाबाद) ने कहा कि जनकल्याणकारी प्रसारण से लोगों तक योजनाओं की जानकारी पहुँच रही है। कोषाध्यक्ष प्रताप नारायण राय (हेलो बनारस) ने आभार व्यक्त किया। बैठक में शैलेन्द्र चतुर्वेदी (लाउडस्पीकर गोरखपुर), हुसैन रजा (आईआईएमटी मेरठ), नागेन्द्र मणि पाठक (गोरखवाणी), भानू प्रकाश मिश्र (हेलो अयोध्या), ताहिर (रेडियो मेरठ), अमन भारद्वाज (ब्रज की आवाज मथुरा), राहुल कुमार (रेडियो एसडी मुजफ्फरनगर), मार्तंडराम त्रिपाठी (रेडियो गोरखपुर), प्रदीप मिश्रा (रेडियो अवध गोंडा), वीर प्रताप सिंह (रेडियो ओमिनी बस्ती), सुमंत कुमार (रेडियो रंग देवरिया), सुरेन्द्र शुक्ला (किसान रेडियो बस्ती), देवेन्द्र सिंह भदौरिया (रेडियो कानपुरिया), शिवम चतुर्वेदी (हाफ लेमन आजमगढ़), हरी (वक्त की आवाज कानपुर देहात), कमल सिंह (एफएम मुरादाबाद), दीपक यादव (रेडियो बदायूं), अगम आनंद (रेडियो जागो हरदोई), सृष्टि पांडेय (रेडियो प्रज्ञा कुशीनगर), मोहम्मद जाहिद (रेडियो वीकेआईटी बिजनौर), व्यास मिश्रा (कबीर रेडियो संतकबीरनगर), संजय राय (रेडियो खीरी) और जगदीश यादव (हेलो उन्नाव) सहित अन्य मौजूद रहे। बैठक में सामुदायिक रेडियो को और सशक्त बनाने का संकल्प लिया गया।

दर्दनाक हादसा: पार्टी के बाद गड्ढे में डूबकर छात्र की मौत

नोएडा (करंट क्राइम)। नोएडा के सेक्टर-94 स्थित थाना सेक्टर-126 क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां एग्जाम खत्म होने के बाद पार्टी मनाने गए छात्रों की खुशी कुछ ही पलों में मातम में बदल गई। चार छात्र परीक्षा समाप्त होने के बाद जश्न मनाने के लिए सेक्टर-94 क्षेत्र में पहुंचे थे, लेकिन पार्टी के बाद एक छात्र की जान चली गई। जानकारी के मुताबिक, पार्टी के दौरान सभी छात्र पास में ही बने एक गहरे गड्ढे में भरे पानी के पास पहुंचे। गर्मी और मौज-मस्ती के चलते उन्होंने पानी में नहाने का फैसला किया और एक-एक कर गड्ढे में कूदने लगे। इसी दौरान एक छात्र गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। साथियों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन पानी अधिक गहरा होने के कारण उसे बाहर नहीं निकाल पाए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया।

खुले गड्ढों पर लापरवाही से उठे प्राधिकरण पर सवाल

महर्षि दयानंद विद्यापीठ में 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत पुलिस ने छात्रों को दी अपराधों की जानकारी

पुलिस ने विद्यार्थियों को सुरक्षा नंबरों के प्रति किया जागरूक

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गोविंदपुरम स्थित महर्षि दयानंद विद्यापीठ में बुधवार को पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के सौजन्य से 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गोविंदपुरम चौकी इंचार्ज राहुल राठी और उनकी टीम ने कक्षा 10 व 12 के विद्यार्थियों को संबोधित किया।

पुलिस टीम ने विद्यार्थियों को नशे की लत और अवैध हथियारों से जुड़े अपराधों के बारे में विस्तार से बताया और इनके दुष्प्रभावों के प्रति सचेत किया। राहुल राठी ने छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि किसी भी असुविधा या अपराध की स्थिति में तत्काल 112 नंबर पर कॉल करें।

वहीं, महिलाओं या बालिकाओं के साथ होने वाली घरेलू हिंसा या किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के संदर्भ में 1090 पर सूचना दी जा सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गुप्त रखी जाएगी। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉक्टर सीमा सेठी ने पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में उप प्रधानाचार्य डॉक्टर आनंद शर्मा, शिक्षक-शिक्षिकाएं और भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आपूर्ति विभाग ने चावलों से भरा मिनी ट्रक पकड़ा

260 क्विंटल चावल सरकारी राशन का होने का संदेह

मोदीनगर (करंट क्राइम)। मोदीनगर में आपूर्ति विभाग की टीम ने बुधवार शाम तिबड़ा मार्ग पर चावलों से भरा एक मिनी ट्रक पकड़ा। ट्रक में लगभग 260 क्विंटल चावल था, जिसके सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान का होने का संदेह है। अधिकारियों को आशंका है कि यह चावल सरकारी राशन की दुकान से बाजार में बेचने के लिए ले जाया जा रहा था। आपूर्ति विभाग इस मामले की गहन जांच कर रहा है।

सहायक आपूर्ति अधिकारी विनोद भारती ने बताया कि बुधवार शाम उन्हें एक मिनी ट्रक में सरकारी सस्ते गल्ले का चावल होने की सूचना मिली थी। इस जानकारी के आधार पर आपूर्ति विभाग की टीम ने मिनी ट्रक की घेराबंदी की और उसे तिबड़ा रोड पर रोक लिया।

पकड़े गए मिनी ट्रक में 260 क्विंटल चावल भरा था। चावल का बिल आशीष ट्रेडर्स, तिबड़ा रोड, मोदीनगर के नाम पर था। हालांकि, ट्रक के चालक और परिचालक चावल के संबंध में कोई संतोषजनक जानकारी नहीं दे पाए।

इसके बाद खाद्य विभाग की टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने चावल के नमूने लिए। सहायक आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

गाजियाबाद में सिविल डिफेंस की मॉकड्रिल आपदा प्रबंधन का लाइव प्रदर्शन

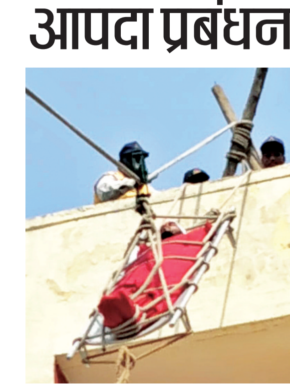

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सिविल डिफेंस हिंडन गाजियाबाद द्वारा 8 अप्रैल को सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (सीईएल) के प्रांगण में संयुक्त डिमॉन्स्ट्रेशन मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान फर्स्ट एड, फायर फाइटिंग और रेस्क्यू ऑपरेशन से जुड़े विभिन्न आपातकालीन हालातों का जीवंत प्रदर्शन किया गया।

मॉकड्रिल में एयर अटैक, भूकंप, आगजनी और बहुमंजिला इमारतों से घायलों को सुरक्षित निकालने की तकनीकों को विस्तार से दिखाया गया। सबसे पहले बेहोश व्यक्ति को फायरमैन लिफ्ट की मदद से नीचे उतारा गया, इसके बाद स्लाइडिंग स्ट्रेचर और वन लैडर तकनीक का उपयोग किया गया। रीढ़ की हड्डी में चोटिल व्यक्ति को मोनो लाइन तकनीक के जरिए सुरक्षित नीचे लाया गया, वहीं ह्यहिंज प्रक्रियाह्न के माध्यम से भी घायलों को रेस्क्यू किया गया।

कार्यक्रम के दौरान पेट्रोल से लगी आग को नियंत्रित करने और बड़ी आगजनी पर फायर विभाग द्वारा काबू पाने की प्रक्रिया का भी प्रदर्शन किया गया। साथ ही घायलों को प्राथमिक उपचार देकर नजदीकी अस्पताल भेजने की व्यवस्था भी दिखाई गई। यह मॉकड्रिल अपर जिलाधिकारी नगर विकास कश्यप के मार्गदर्शन और एडीसी नेम सिंह के नेतृत्व में आयोजित की गई। डिविजनल वार्डन ए.के. जैन और ए.के. ठाकुर ने पूरे कार्यक्रम की देखरेख की। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के अभ्यास का उद्देश्य आमजन को आपदा के समय बचाव के तरीकों के प्रति जागरूक करना है, ताकि जान-माल के नुकसान को कम किया जा सके। कार्यक्रम में एडीसी नेम सिंह, डिविजनल वार्डन ए.के. ठाकुर, ए.के. जैन, सुधीर कुमार, रवि अग्रवाल, राजेंद्र शर्मा, मंजूर हसन, अशोक कुमार, रमन सक्सेना, घटना नियंत्रण अधिकारी नीतिश कुमार सिंह, तुषार शर्मा, नागेंद्र श्यामल, विनोद शर्मा सहित कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। इसके अलावा सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड की ओर से एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सरिता कॉल, जनरल मैनेजर पंकज खन्ना, अनुपम त्यागी, रजत गर्ग, दर्पण पठान, एजीएम हेमंत दुबे, अनुराग अग्रवाल, डीजीएम विकास त्यागी और मनोज सैनी समेत अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

शोक-सन्देश

मान्यवर,
आपको बड़े दुखः के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारी पूज्यनीय माता जी **श्रीमती मुन्नी देवी** (धर्मपत्नी स्व० चौ० अनूप सिंह लोकतंत्र रक्षक सैनानी) जी का स्वर्गवास दिनांक 03/04/2026 दिन शुक्रवार को हो गया है। प्रभु की ऐसी ही इच्छा थी। उनकी तेरहवीं/अरष्ठी दिनांक 09.04.2026 दिन बृहस्पतिवार को होनी निश्चित हुई है।

।। कार्यक्रम ।।
बृहस्पतिवार, दिनांक 09-04-2026

हवन ....प्रातः 9 बजे (निज निवास)
ब्रह्मभोज .... दोपहरः 12 बजे
शोक सभा.........................दोपहरः 3 बजे

स्थान : वोल्गा पैलेस,बसंत रोड, गाजियाबाद

शोकाकुल परिवार

चौ० अजब सिंह (देवर)
बिजेन्द्र सिंह (पुत्र)
सुशील अनूप सिंह (पुत्र)
वीरेन्द्र सिंह (भतीजे)
जितेन्द्र सिंह (भतीजे)
धीरेन्द्र सिंह (भतीजे)

सम्पर्क सूत्र :
9910778888
9818556678
9266128896

पौत्र : विनय चौधरी, विपुल चौधरी मुकुल चौधरी, आदित्य चौधरी रजत चौधरी, विशेष चौधरी, वैभव चौधरी
पडपौत्र : विहान, विराज, सारांश, सार्थक एवं समस्त परिवार

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।